आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 24 जनवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 77

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

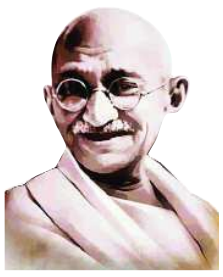

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

दर्जी समाज के चुनाव में हुई धांधली

पेज-2

तराना में फिर पथराव, पुलिस ने खदेड़ा

पेज-5

भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई 27वीं मौत

पेज-6

मेट्रो स्टेशन बनाने के लिए टूटेंगे कई मकान, पीड़ितों को मिलेगा मुआवजा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में मेट्रो परियोजना का काम जारी है। इसी कड़ी में बड़ा गणपति मेट्रो स्टेशन के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मेट्रो प्रबंधन ने यहां स्टेशन बनाने के लिए 16 मकानों को हटाने का फैसला किया है। इन मकानों के हटने से स्टेशन निर्माण के लिए आवश्यक जगह मिल सकेगी। हालांकि, राहत की बात यह है कि प्रभावित परिवारों को नियमानुसार मुआवजा राशि दी जाएगी।

एशियन डेवलपमेंट बैंक की भूमिका-इस परियोजना के अंडरग्राउंड हिस्से के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक ने ऋण उपलब्ध कराया है। बैंक ने लोन मंजूर करते समय स्पष्ट शर्तें रखी हैं। एशियन डेवलपमेंट बैंक की पॉलिसी के मुताबिक, किसी भी विकास परियोजना के लिए स्थानीय निवासियों को विस्थापित करने की स्थिति में उन्हें मुआवजा देना अनिवार्य है। मेट्रो प्रबंधन ने यह सुनिश्चित किया है कि विस्थापन की प्रक्रिया बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप ही पूरी की जाए। इससे न केवल प्रोजेक्ट की गति बनी रहेगी, बल्कि स्थानीय लोगों का विरोध भी कम होने की संभावना है।

मुआवजे का रास्ता साफ

बैंक की इन्हीं शर्तों के चलते मेट्रो प्रबंधन के लिए प्रभावितों को राशि देना जरूरी हो गया है। यही वजह है कि बड़ा गणपति मेट्रो स्टेशन के निर्माण में बाधक बन रहे इन 16 मकानों के रहवासियों को मुआवजा दिया जा रहा है। आमतौर पर अतिक्रमण या निर्माण हटाने की कार्रवाई में मुआवजे को लेकर कई तकनीकी दिक्कतें आती हैं, लेकिन यहां अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के कारण प्रक्रिया सुगम हो गई है।

शशि थरूर को मनाएंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी) ● कांग्रेस ने 140 सीटों वाली केरल विधानसभा में 100 से अधिक सीटें जीतने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं के साथ करीब दो घंटे तक विस्तृत चर्चा की। हालांकि इस अहम बैठक में सांसद शशि थरूर की गैरहाजिरी सियासी चर्चा का विषय बनी रही।

बैठक के समय शशि थरूर कोझिकोड में आयोजित केरल लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल हो रहे थे। इसे लेकर उनकी नाराजगी के कयास लगाए जाने लगे, लेकिन पार्टी नेताओं ने साफ किया कि थरूर ने अपनी व्यस्तता की जानकारी पहले ही पार्टी नेतृत्व को दे दी थी। कांग्रेस के उच्च पदस्थ सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि शशि थरूर की शिकायतों और उनके समाधान को लेकर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे बजट सत्र के दौरान उनसे मुलाकात करेंगे। थरूर लंबे समय से दोनों नेताओं से मिलने का समय मांग रहे हैं। बताया जा रहा है कि वे केरल प्रदेश कांग्रेस में खुद को नजरअंदाज किए जाने और पार्टी नेतृत्व के रवैये से असंतुष्ट हैं। इसी वजह से थरूर कई बार पार्टी की आधिकारिक लाइन से अलग रुख अपनाते दिखे हैं चाहे वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुद्दा हो या मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का। हालांकि कांग्रेस नेतृत्व थरूर को लेकर ज्यादा चिंतित नजर नहीं आता। हाल ही में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में शानदार प्रदर्शन से उत्साहित आलाकमान विधानसभा चुनाव में जीत को लेकर आश्वस्त है। गौरतलब है कि केरल में हर पांच साल में सरकार बदलने की परंपरा 2021 में टूट गई थी, जब सीपीएम ने लगातार दूसरी बार सत्ता में वापसी की। ऐसे में आगामी विधानसभा चुनाव कांग्रेस के लिए बेहद अहम माने जा रहे हैं। राज्य में कांग्रेस वाम मोर्चा के खिलाफ मुस्लिम लीग और कुछ अन्य छोटे दलों के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ती है। वहीं इस बार भाजपा के प्रदर्शन पर भी सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

'हम केरल में सरकार बनाएंगे'

बैठक में कांग्रेस का आत्मविश्वास साफ तौर पर झलका। सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी ने केरल के नेताओं से एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरने की अपील करते हुए कहा कि आपसी मतभेद भुलाइए, हम केरल में सरकार बनाने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री का फैसला चुनाव के बाद किया जाएगा। बैठक में यह भी तय हुआ कि केरल में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन राज्यव्यापी यात्रा निकालेंगे, जिसमें पार्टी के कई बड़े चेहरे हिस्सा लेंगे।

न्यूज ब्रीफ

- खराब मौसम की वजह से श्रीनगर एयरपोर्ट से आने-जाने वाली कई फ्लाइट्स रद्द की गईं
- भारत से 25% टैरिफ हटाने की तैयारी में ट्रंप? अमेरिकी वित्त मंत्री ने दिए संकेत
- डल झील के पास एक होटल में लगी भीषण आग
- ईरान के साथ तनाव के बीच एयर फ्रांस ने तेल अवीव के लिए वीकेंड की फ्लाइट्स रद्द
- उत्तराखंड : नैनीताल, उत्तरकाशी और टिहरी गढ़वाल समेत कई जगहों पर भारी बर्फबारी, पर्यटक फंसे
- मुंबई : एक्टर कमाल खान गिरफ्तार, ओशिवारा फायरिंग केस में मुंबई पुलिस ने किया था डिटेन
- पाकिस्तान : आत्मघाती हमलावर ने शादी समारोह को बनाया निशाना, 7 लोगों की मौत
- यूक्रेन के दो सबसे बड़े शहरों पर रूस ने किया हमला, 13 लोग घायल
- किसी भी हमले को 'पूरी तरह से युद्ध' माना जाएगा और उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा : ईरान
- क्यूबा को तेल की आपूर्ति रोकने पर विचार कर रहा मेक्सिको

प्रदेश में महा बवाल! सांसद के सुरक्षाकर्मी ने हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं पर तानी पिस्टल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश के इंदौर में खाकी और रसूख के नशे में चूर सांसद के सुरक्षाकर्मी का बड़ा कारनामा सामने आया है। सांसद शंकर लालवानी के सुरक्षाकर्मी ने हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं पर पिस्टल तान दी। मामला शहर के एमजी रोड थाना क्षेत्र अंतर्गत लोखंडे पुल के पास का है। घटना के बाद मौके पर तनाव की स्थिति बन गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डीआरपी लाइन लोखंडे के पास पदस्थ सिपाही अविनाश भदौरिया का कुछ कार्यकर्ताओं से विवाद हो गया था। इसी दौरान सिपाही ने अपनी पिस्टल निकालकर कार्यकर्ताओं की ओर तान दी, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। आरोप है कि सुरक्षाकर्मी ने शराब पी रखी थी। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और हालात को नियंत्रण में लिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सिपाही अविनाश भदौरिया को हिरासत में ले लिया है।

राजस्थान में पारा 10 डिग्री गिरा माउंट आबू में माइनस 7 डिग्री

नई दिल्ली (एजेंसी) ● देश के सबसे उत्तरी 3 राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में गुरुवार-शुक्रवार से शुरू हुई बर्फबारी देर शाम तक चली। शिमला, मनाली, मसूरी, कटरा में चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आ रही है। उधर, उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और जम्मू के डोडा में पिछले 24 घंटे से रुक-रुककर बर्फबारी हो रही है। मैदानी इलाकों में लगभग एक फुट और ऊपरी पहाड़ी क्षेत्रों में 2-3 फीट बर्फ जम गई है।

श्रीनगर एयरपोर्ट शनिवार को भी बंद है। ह्न-44 पर ट्रैफिक रोका गया है। मौसम विभाग ने तीनों राज्यों में ऊंचे इलाकों में एवलांच (हिमस्खलन) की चेतावनी जारी की है।

इधर वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से राजस्थान में ओले-बारिश के बाद तापमान 10ए तक गिर गया है। राज्य के इकलौते हिल स्टेशन माउंट आबू में पारा माइनस 7 डिग्री तक पहुंच गया। सीकर में ओस जम गई।

यूपी, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, मध्य प्रदेश के कई जिलों में भी हल्की बारिश हो रही है। राजधानी दिल्ली में बारिश के बाद कोहरा और धुंध छंट गई है, लेकिन तापमान 11ए पर पहुंच गया है। यहां पहाड़ों से आने वाली तेज सर्द हवाओं के कारण ठिठुरन बढ़ गई है।

सीएम हेल्पलाइन : 23 दिन में 2.59 लाख शिकायतें

25 हजार से ज्यादा सुनी ही नहीं गई, हर आठवीं शिकायत 50 दिन से ज्यादा पुरानी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मुख्य सचिव की 21 जनवरी की कलेक्टर-एसपी वीडियो कांफ्रेंसिंग में की गई सख्त टिप्पणी के साथ ही रिव्यू में सामने आया कि लोगों की शिकायत की सुनवाई नहीं हो रही। 1 से 23 जनवरी के बीच प्रदेश में सीएम हेल्पलाइन पर कुल 2 लाख 59 हजार 479 शिकायतें दर्ज हुईं, लेकिन इनमें से सिर्फ 13.41% मामलों में ही शिकायतकर्ता ने संतुष्टि जताई।

यानी हर 100 शिकायतों में करीब 87 मामलों में लोग निपटारे से खुश नहीं हैं। हालात यह है कि 50 दिन से ज्यादा समय से लंबित शिकायतों की हिस्सेदारी 12.54% तक पहुंच चुकी है। यानी हर आठवीं शिकायत 50 से ज्यादा दिन पुरानी है। इसके अलावा 9.83% शिकायतें निम्न गुणवत्ता के साथ बंद की गईं, जिससे निपटारे की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नॉन अटेंडेंट कैटेगरी में 25 हजार 811 का आंकड़ा यह दिखाता है कि बड़ी संख्या में शिकायतें ऐसी हैं, जिनमें शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं किया गया या फील्ड स्तर पर कार्रवाई तक नहीं हुई। शिकायतों के निराकरण की रेटिंग में प्रदेश के सभी जिले डी श्रेणी में दर्ज हैं। महानगरों को छोड़ दें तो सबसे ज्यादा शिकायतें मुरैना में 8112, सागर में 8022, शिवपुरी में 7662, छतरपुर में 6837, राजगढ़ में 6777 और भिंड में 6473 दर्ज की गई हैं। इसके अलावा विदिशा में 5941, उज्जैन में 5840, गुना में 5464, रायसेन में 5409 और टीकमगढ़ में 5257 शिकायतें दर्ज हैं। आंकड़े यह दिखाते हैं कि प्रदेश में 1.74 लाख से ज्यादा शिकायतें ऐसी हैं, जो 100 दिनों से अधिक समय से लंबित पड़ी हैं। कम शिकायतों वाले जिलों में अलीराजपुर में 338, बुरहानपुर में 1223, हरदा में 1749, आगर मालवा में 1998, नीमच में 2386, श्योपुर में 2457 और शाजापुर में 2950 शिकायतें दर्ज हैं। वहीं खंडवा में 3200, दतिया में 3611, धार में 3737, नर्मदापुरम में 4063, देवास में 4163 और सीहोर में 4501 शिकायतें हुईं हैं। दिसंबर माह के आंकड़ों के मुताबिक सबसे ज्यादा शिकायतें राजस्व विभाग में दर्ज हुईं, जहां कुल 61,685 शिकायतों में से सिर्फ 37% मामलों में ही शिकायतकर्ता ने संतुष्टि जताई। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में 57,734 शिकायतें आईं, जिनमें 39% संतुष्टि के साथ बंद हुईं।

प्रदेश में 150 प्रतिशत तक महंगी होगी प्रॉपर्टी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

ग्वालियर ● ग्वालियर पंजीयन विभाग ने वित्त वर्ष 2026-27 की नई कलेक्टर गाइडलाइन का प्रारूप तैयार कर लिया है। इस बार शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन 20 से 23 प्रतिशत तक गाइडलाइन बढ़ाने की संभावना है। खास तौर पर ऐसी लोकेशन चिह्नित की गई है, जहां गांव का नाम दर्ज होने के कारण गाइडलाइन कम है, जबकि आसपास विकसित कॉलोनियों में ऊंचे दामों पर रजिस्ट्रियां हो रही है।

सोमवार को वृत्त-1 और वृत्त-2 की बढ़ोतरी वाली लोकेशन को चिह्नित कर पंजीयन महानिरीक्षक (आईजी) के समक्ष प्रस्ताव रखा गया। इसमें ग्वालियर शहर के साथ डबरा और भितरवार क्षेत्र की विसंगतियों का भी उल्लेख किया गया है। एक और बैठक के बाद उप मूल्यांकन समिति में नई गाइडलाइन का अंतिम प्रस्ताव रखा जाएगा।

वृत्त-2 में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी संभावित-वृत्त-2 में शहर का तेजी से विस्तार हो रहा है और नई कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। इसी कारण यहां गाइडलाइन में सबसे अधिक बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। वृत्त-1 और वृत्त-2 की कई लोकेशन को मर्ज करने का भी प्रस्ताव है। मर्ज होने से भी गाइडलाइन में वृद्धि होगी।

13 वार्डों की 66 लोकेशन पर बढ़ोतरी का प्रस्ताव-वृत्त-1 के अंतर्गत नगर निगम के 13 वार्डों में कुल 66 लोकेशन पर गाइडलाइन बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया है। वार्ड क्रमांक 43 से 56 तक गाइडलाइन से अधिक दरों पर रजिस्ट्रियां हो रही हैं। इसमें पुरानी छावनी, सिथौली रोड और 7 शिवपुरी लिंक रोड जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

तीन श्रेणियों में बांटी लोकेशन-प्लानिंग क्षेत्र वे हैं, जहां सरकारी लोकेशन को प्लानिंग और नॉन-प्लानिंग क्षेत्र में योजनाएं लागू हैं, जबकि नॉन-प्लानिंग क्षेत्र ग्रामीण इलाकों में आते हैं। इन क्षेत्रों में 10 प्रतिशत, 20 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक गाइडलाइन बढ़ाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

ग्वालियर में आ चुके कई गांव, पर रेट अब भी कम-डबरा पंजीयन कार्यालय के कुछ गांव ग्वालियर परिक्षेत्र में आ चुके हैं, लेकिन डबरा में दर्ज होने के कारण वहां गाइडलाइन कम बनी हुई है। जौरासी, टेकनपुर और कल्याणी क्षेत्रों में प्लॉटिंग और कॉलोनियां विकसित हो रही हैं। यहां गाइडलाइन मात्र 12 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर है, जबकि रोड पर जमीन के रेट एक करोड़ रुपए प्रति बीघा से अधिक हो चुके हैं। भितरवार क्षेत्र में भी यही स्थिति है। डबरा और भितरवार में कुछ लोकेशन पर गाइडलाइन 200 गुना तक बढ़ाने का प्रस्ताव है।

मुरार सहित कई क्षेत्रों में बढ़ोतरी की तैयारी-मुरार क्षेत्र का उदाहरण देते हुए बताया गया कि यहां कई लोकेशन गांव के नाम से दर्ज हैं। गांव दर्ज होने के कारण गाइडलाइन कम है, जबकि वास्तविक बाजार भाव कहीं अधिक है। प्रस्ताव के तहत गांव की पहचान हटाकर रेट समान किए जाएंगे।

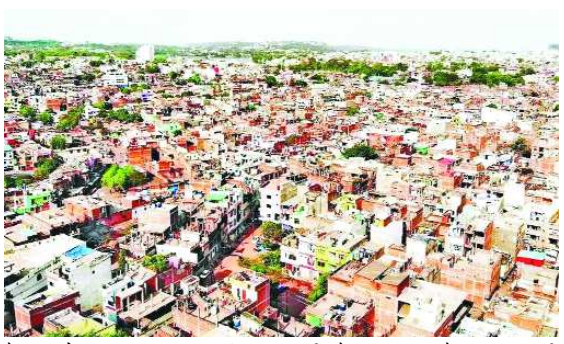

अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्य ने कहा

शंकराचार्य की जान को खतरा

प्रशासन के गुंडे संत के वेश में घूम रहे

प्रयागराज (एजेंसी) ● यह हमारी मजबूरी है, क्योंकि शंकराचार्य सड़क पर बैठे हैं। प्रशासन और उसके गुंडे हैं। संत के वेश में शैतान यहां घूम रहे हैं। उनसे शंकराचार्य की जान को खतरा है। रात में आकर वीडियो बनाते हैं। पकड़े जाने पर कहते हैं कि नोटिस देने आए हैं। अविमुक्तेश्वरानंद की तबीयत अभी भी खराब है। रात में उन्होंने दवा ली थी। शुक्रवार को उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उन्हें तेज बुखार था। इसी बीच, अविमुक्तेश्वरानंद ने डिप्टी सीएम केशव मौर्य को समझदार नेता बताया। कहा- ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री होना चाहिए, जो समझते हैं कि अफसरों से गलती हुई है। जो अकड़ में बैठा हो, उसे मुख्यमंत्री नहीं होना चाहिए। दरअसल, गुरुवार को डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा था- शंकराचार्य जी के चरणों में प्रणाम करता हूं और उनसे स्नान करने की प्रार्थना करता हूं। 18 जनवरी को माघ मेले में मौनी अमावस्या पर अविमुक्तेश्वरानंद पालकी में स्नान करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोका और पैदल जाने को कहा। विरोध करने पर शिष्यों से धक्का-मुक्की हुई। इससे नाराज अविमुक्तेश्वरानंद शिविर के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रशासन ने अविमुक्तेश्वरानंद को 48 घंटे में दो नोटिस जारी किए।

दर्जी समाज के चुनाव में हुई धांधली चुनाव अधिकारी सवालों के घेरे में

चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल का इंदौर में कई जगह पर पुतला फूंका

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

दामोदर वंशी जूना गुजराती दर्जी समाज कड़छा ट्रस्ट के चुनाव 18 जनवरी को कड़छा धाम में संपन्न हुए लगभग 10417 मतदाताओं ने अपना वोट किया कड़छा विकास पैनल के 11 सदस्य और महाकाल पैनल के 11 सदस्य चुनावी मैदान में थे। सुबह 8:00 बजे से लेकर शाम 6:00 बजे तक सुचारू रूप से मतदान हुआ। रात्रि 8:00 बजे मतगणना की गिनती प्रारंभ हुई 1 से 28 बूथों पर एक साथ गिनती चल रही थी कही बूथों पर कड़छा विकास पैनल के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार राजवीर चौहान आगे चल रहे थे लेकिन परिणाम घोषित होते होते चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल ने मतगणना शीट पर कटा पीती कर महाकाल पैनल के अमित चौहान को 27 वोटो से विजय घोषित कर दिया तत्काल विकास पैनल के अध्यक्ष पद के

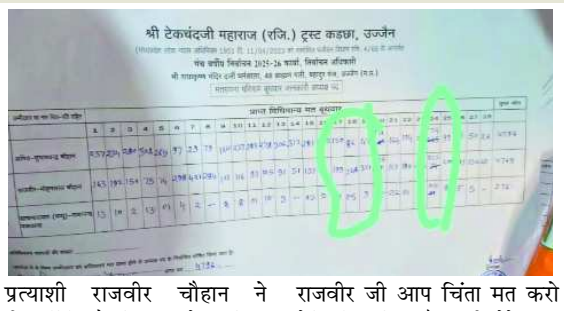

प्रत्याशी राजवीर चौहान ने रीकाउंटिंग के लिए आवेदन दिया चुनाव अधिकारी ने कहा ट्रस्ट के सदस्यों की गिनती के बाद रीकाउंटिंग करेंगे लेकिन चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल ने ऐसा नहीं किया उन्होंने रीकाउंटिंग के लिए अगले दिन का कहा पुन: चुनाव अधिकारी को अगले दिन फोन लगाया गया तो उन्होंने कहा कि मैं बहुत थक गया हूं अपन मंगलवार को रिकाउंटिंग करेंगे राजवीर जी आप चिंता मत करो पेटियां सुरक्षित है चाबी मेरे पास है। लेकिन जब मंगलवार को चुनाव अधिकारी को फोन लगाया गया तो उन्होंने फोन उठाना उचित नहीं समझा दूसरे नंबरों से फोन लगाया गया तो चुनाव अधिकारी ने कहा आपका आवेदन हमने निरस्त कर दिया यह बात सुन समाज के लोग आक्रोशित हो गए उन्होंने चुनाव अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए सीट पर काटा पीटी कर महाकाल पैनल के अध्यक को 27 वोटो से विजय घोषित किया लेकिन अब चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल सवालों के घेरे में है ना समाज के लोगों को जवाब दे पा रहे हैं ना राजवीर चौहान से बात कर रहे हैं इस पूरे घटनाक्रम की रिकॉर्डिंग भी वायरल हुई है दर्जी समाज में चुनाव को लेकर हुई धांधली से समाज में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिल रहा है इतना ही नहीं कल कहीं जगह इंदौर में चुनाव अधिकारी का पुतला भी जलाया गया और चप्पल जूतों का हार भी पहनाया गया और यहां तक कहां गया कि सुभाष गोयल आप कितने में बिके हो जानकारी में अभी पता चला है कि चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल मुख्यमंत्री के भाई नारायण यादव के पास अध्यक्ष को जीत का प्रमाण पत्र दिलवाने ले गए थे।

कड़छा विकास पैनल के अध्यक्ष पद प्रत्याशी रहे राजवीर चौहान ने कहा की चुनाव अधिकारी सुभाष गोयल ने अगर कोई धांधली नहीं की तो सच्चाई बताने में क्या तकलीफ है क्यों वह रीकाउंटिंग नहीं करवाना चाहते दूसरी सबसे बड़ी बात कहीं सीटों पर काटा पीटी कर वोट को कम ज्यादा किया गया अगर वह सही है तो समाज जन को जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं अगर वह जवाब नहीं दे रहे हैं इसका मतलब स्पष्ट है कि कहीं ना कहीं उनकी मिली भगत इस चुनाव में दिख रही है लेकिन हम यह लड़ाई एसडीएम से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे चाहे हमें उसके लिए कुछ भी करना पड़े यह अन्याय मेरे साथ नहीं दामोदर वंशी जूना गुजराती दर्जी समाज के साथ हुआ है जिसके पूरे साक्ष हमारे पास है।

न्यूज ब्रीफ

संभागायुक्त कार्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ शुक्रवार को संभागायुक्त कार्यालय में अपर आयुक्त इंदौर श्री तरूण भटनागर द्वारा दिलाई गई। इस दौरान कार्यालय के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में नार्थ एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में स्थित नार्थ एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुख्य न्यायाधिपति उच्च न्यायालय जबलपुर श्री संजीव सचदेवा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला द्वारा की गयी। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में उच्च न्यायालय खंडपीठ के समस्त न्यायाधिपतिगण, उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ अधिवक्तागण, कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर, उच्च न्यायालय के कर्मचारीगण एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भोजशाला परिसर मे शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन, पूजन, हवन और नमाज संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

धार • धार बसंत पंचमी पर्व पर धार के भोजशाला संरक्षित परिसर में आज सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आकर मां वाग्देवी के दर्शन किए। भोजशाला परिसर में हवन पूजन भी लगातार जारी रहा। जिला प्रशासन द्वारा भोजशाला संरक्षित परिसर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए। जिला प्रशासन द्वारा भोजशाला परिसर के पास ही पुलिस कंट्रोल रूम, अस्थाई चिकित्सालय सीसीटीवी मॉनिटरिंग और मीडिया सेंटर जैसी व्यवस्थाएं की गई थीं। संभागायुक्त इंदौर संभाग डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस महानिरीक्षक श्री अनुराग, कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा और पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी ने इस दौरान अन्य अधिकारियों के साथ भोजशाला परिसर का लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

'अक्षरा-शिक्षा से बदलाव की शुरूआत' कार्यक्रम का शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • म.प्र.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं जिला शिक्षा केन्द्र इंदौर द्वारा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में 'उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम' के अंतर्गत स्व-सहायता समूहों से जुडी असाक्षर महिलाओं को बुनियादी साक्षरता से जोडने हेतु राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा 'अक्षरा-शिक्षा से बदलाव की शुरूआत' पहल प्रारंभ की गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य समुदाय स्तर पर अक्षर साथी के माध्यम से समूहों से जुडी असाक्षर महिलाओं की बुनियादी साक्षरता को सुदृढ एवं सशक्त करना है।

मालवा मिल अनाज मंडी के पंचमुखी बालाजी धाम पर सौल्लास संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मालवा मिल अनाज मंडी स्थित श्री पंचमुखी बालाजी धाम मंदिर पर बसंत पंचमी के पावन प्रसंग पर शुक्रवार को लक्ष्मीनारायण, पंचमुखी बालाजी एवं शिव मंदिर के शिखर पर अभिजीत मुहूर्त में कलश स्थापना का अनुष्ठान सौल्लास संपन्न हुआ। कलश स्थापना के पूर्व मालवा मिल अनाज मंदिर परिसर में नूतन कलशों की शोभा यात्रा भी निकाली गई। मंदिर भक्त मंडल के गिरीश खंडेलवाल एवं राजू अग्रवाल राधे राधे ने बताया कि कलश स्थापना के लिए दो दिवसीय इस महोत्सव में गुरुवार शाम को आरती के पश्चात सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन भी किया गया।

देपालपुर में 83 जोड़ों का भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शुक्रवार को देपालपुर जनपद पंचायत द्वारा श्री चौबीस अवतार मंदिर परिसर में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत एक भव्य सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें 83 नवयुगल दम्पत्तियों का विवाह वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन सामाजिक समरसता, आर्थिक सहयोग और पारंपरिक मूल्यों का सशक्त उदाहरण बना।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री मनोज पटेल थे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश मालवीय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री भारत पटेल, सांसद प्रतिनिधि मोहन कच्छावा, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राकेश मोहन त्रिपाठी, जनपद पंचायत सीईओ श्रीमती पूजा मालाकार सैनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विवाह सम्मेलन में आचार्य राजेश शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 83 नवदंपतियों का विवाह विधिवत रूप से संपन्न कराया गया। विवाह स्थल पर पारंपरिक साज-सज्जा, मंडप व्यवस्था एवं अनुशासित आयोजन ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान शासन की योजना के अंतर्गत 83 नवविवाहित दम्पत्तियों को 49 हजार रूपए के सांकेतिक बैंक चेक प्रदान किए गए, जिससे उन्हें नवजीवन की शुरुआत में आर्थिक सहयोग मिल सके। इस अवसर पर अतिथियों ने वर-वधुओं को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखी, समृद्ध एवं सफल दांपत्य जीवन की कामना की।

मुख्य अतिथि विधायक मनोज पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिससे बेटियों के विवाह में आर्थिक बोझ कम हुआ है और समाज में सकारात्मक संदेश जा रहा है। उन्होंने योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए जनपद पंचायत प्रशासन की सराहना की। कार्यक्रम के समापन पर जनपद पंचायत प्रशासन द्वारा सभी अतिथियों, कर्मचारियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

सफेद गिद्ध की संख्या में इजाफा, पिछले साल के मुकाबले इस साल 7 अधिक

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर के आकाश से लगभग गायब हो चुकी इजिप्शियन वल्चर यानी सफेद गिद्धों की प्रजाति एक बार फिर शहर के बाहरी इलाकों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है। नेचर एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन एंड अवेयरनेस सोसायटी द्वारा हाल ही में किए गए एक विस्तृत सर्वे में यह सुखद जानकारी सामने आई है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ये दुर्लभ सफेद गिद्ध विशेष रूप से देवगुराड़िया ट्रेंचिंग ग्राउंड और कंपेल के आसपास के क्षेत्रों में उड़ान भरते देखे गए हैं।

देवगुराड़िया पहाड़ी का क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से इन गिद्धों का प्राकृतिक वास स्थल रहा है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में इनकी आबादी में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। एनजीओ एनडब्ल्यूसीएस द्वारा हर साल दिसंबर और जनवरी के महीनों में गिद्धों की गणना के लिए सर्वे किया जाता है। इस वर्ष के सर्वे में

उत्साहजनक परिणाम मिले हैं। करीब डेढ़ महीने तक चली इस प्रक्रिया के बाद क्षेत्र में 15 सफेद गिद्धों की पहचान की गई है। यदि पिछले साल के आंकड़ों से तुलना करें तो यह संख्या 7 अधिक है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि यह सुधार अभी शुरुआती है क्योंकि 9 साल पहले इसी क्षेत्र में गिद्धों की संख्या 83 हुआ करती थी।

गिद्धों के संरक्षण को लेकर संस्था अब ठोस कदम उठाने की तैयारी में है। एनडब्ल्यूसीएस के अध्यक्ष रवि शर्मा ने जानकारी दी कि वे लंबे समय से इस दिशा में प्रयास कर रहे हैं। संस्था की योजना है कि इंदौर नगर निगम मौजूदा डंपिंग यार्ड के अलावा शहर से लगभग 15 से 20 किलोमीटर दूर एक ऐसा स्थान चिन्हित करे, जहां कचरे की प्रोसेसिंग खुले में की जा सके। इससे गिद्धों को कचरे में मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करने और भोजन प्राप्त करने में मदद मिलेगी। इस प्रस्ताव को लेकर जल्द ही निगमायुक्त को एक ज्ञापन सौंपा जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में गिद्धों की संख्या कम होने का मुख्य कारण खुले क्षेत्रों में कचरा डंपिंग का बंद होना था। चूंकि सफेद गिद्ध कचरे से अपना भोजन खोजने में सक्षम होते हैं, इसलिए भोजन की कमी ने इन्हें पलायन के लिए मजबूर किया। अब पिछले दो वर्षों में भोजन की उपलब्धता में मामूली सुधार होने से इनकी संख्या फिर बढ़ने लगी है। हालांकि, वन्यजीव प्रेमियों ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में कचरे की प्रोसेसिंग पूरी तरह से बंद और कवर्ड प्लांट्स में होने लगी, तो इन गिद्धों के अस्तित्व पर एक बार फिर संकट के बादल मंडरा सकते हैं।

बसंत पंचमी पर भजन गायक मेहता के भजनों पर झूमे भक्त, मना बसंत उत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • रेडिसन चौराहा स्थित श्री दिव्यशक्ति पीठ पर बसंत पंचमी के अवसर बसंत उत्सव में प्रसिद्ध भजन गायक विवेक मेहता के भजनों पर सैकड़ो भक्त झूमें।

शुक्रवार को शाम 7 बजे से आयोजित बसंत उत्सव की शुरुआत भगवान के पूजन अर्चन के साथ हुई। भजन गायक विवेक मेहता ने भजनों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी। बसंत उत्सव मना। बड़ी संख्या में भक्त सम्मिलित हुए। भजन गायक मेहता ने नवल बसंत नवल वृंदावन श्याम श्याम

सलोनी सूरत को श्रृंगार.....आज वृंदावन को रंग बसंती है..., गोविंद हरे गोपाल हरे मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है सहित अन्य भजनों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का समापन राधा नाम की धुन से हुआ। मंदिर के व्यवस्थापक राजेश मेडे ने बताया बसंत पंचमी पर मंदिर में श्री राधा कृष्ण जी का विशेष श्रृंगार किया, फूलों की पंखुड़ियां बरसाई।

डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने ईएलएसएस को एक अनुशासन टूल के तौर पर पेश किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • यह सही है कि भारतीय इंवेस्टर्स के पास पहले से कहीं ज़्यादा इक्विटी प्रोडक्ट का ऐक्सेस है, लेकिन बाज़ार साइकल के ज़रिए इंवेस्ट करना एक चुनौती बनी हुई है। डीएसपी म्यूचुअल फ़ंड ने एक ऐसे परिप्रेक्ष्य की ओर संकेत किया है जो इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) को मुख्य रूप से टैक्स-सेविंग उपकरणों के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे प्रोडक्ट के रूप में दिखाता है जो लंबे समय तक इंवेस्टिग में व्यवहार संबंधी दूरी को कम करने में सहायता कर सकते हैं।

एलआर लाइब्रेरी का शुभारभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • रघुवंशी कालोनी में श्रीमती मीना पंकज काले द्वारा क्षेत्र के विद्यार्थियों हेतु सर्वसुविधा युक्त लाइब्रेरी का शुभारभ संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा अनीता चौहान मैडम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कर्मचारी नेता हरीश बोयत की अध्यक्षता अपाक्स के जिला अध्यक्ष रमेश यादव, वरिष्ठ शिक्षाविद श्री मनोहर पाल शासकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री अशोक मालवीय, जिला अध्यक्ष प्रवीण यादव के विशेष अतिथि में किया गया।

सर्व ब्राह्मण सामूहिक विवाह में 9 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • श्री कान्यकुब्ज विद्या प्रचारिणी सभा इंदौर द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बसंत पंचम पावन अवसर पर सर्व ब्राह्मण सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया इसमें 9 जोडे परिणय सूत्र में बंधे। सभा के अध्यक्ष पं. संजय शुक्ला एवं प्रधानमंत्री पं. अनुप वाजपेई ने बताया कि सभा द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह में 9 जोड़ो ने वेद मंत्रों के साथ रीति रिवाज के बीच लोकाचार की परंपरा का निर्वहन करते हुए परिणय सूत्र में बंधे। इसमें एक दृष्टिहीन जोड़े ने भी सात फेरे लिए। सभा द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में परिणय सूत्र में बनने वाले सभी नव दंपतियों को समाज द्वारा कलर टीवी, अलमारी, दुल्हन के 5 जेवर, दुल्हन की साड़ियाँ, दूल्हे का सूट, पलंग, बिस्तर सेट ,बर्तन सेट ,पंखा सहित गृहस्थी का संपूर्ण सामान उपहार स्वरूप प्रदान किया।

6 विभूतियां नेताजी सुभाष अलंकरण से हुई सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नेताजी सुभाष मंच एवं श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में नेताजी सुभाष अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया । समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 6 विभूतियों को नेताजी सुभाष अलंकरण से सम्मानित किया गया। नेताजी सुभाष मंच के अध्यक्ष मदन परमालिया एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष

भगवानश्री देवनारायणजी प्रकटोत्सव आज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • गुर्जर समाज अपने आराध्य भगवान श्री देवनारायण जी का प्रकटोत्सव परम्परागत रूप से 24 जनवरी को आज मना रहा है। इस अवसर पर ऐतिहासिक चमत्कारी भगवान देवनारायणजी मंदिर राम-लक्ष्मण बाजार इन्दौर पर आकर्षक पुष्प सज्जा एवं विद्युत सज्जा की गई है। रात्रि 8 बजे से प्रसिद्ध भजन गायक ध्रुव कुमार भजन प्रस्तुत करेंगे। रात्रि जागरण होगा। उक्त जानकारी गुर्जर समाज के गोपालसिंह गुर्जर ने दी।

शहीद हुए देवास जिले के सैनिक संजय मीणा के परिजनों का सम्मान कल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संस्था सेवा सुरभि, जिला प्रशासन, इंदौर पुलिस, नगर निगम एवं विकास प्राधिकरण की सहभागिता में चलाए जा रहे 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' अभियान के तहत रविवार 25 जनवरी को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर शाम 6 बजे देवास जिले के शहीद सैनिक संजय मीणा के परिजनों का सम्मान और शाम 7.30 बजे से रीगल चौराहा स्थित इंडिया गेट पर शहर के नागरिकों की ओर से अनाम शहीदों के नाम श्रद्धा की एक-एक मोमबत्ती प्रज्वलित की जाएगी। शहीद मीणा देवास जिले के टोंकखुर्द के निकट संवरसी गाँव के मूल निवासी थे और 9 अक्टूबर 2025 को देश की सीमा की रक्षा करते हुए वे 23350 फीट ऊँची नंदनवन पहाड़ी पर आए बर्फीले तूफान में फंसने से शहीद हो गए।

इंदौर • दैनिक इंदौर संकेत। हंसदास मठ पर 101 बटुकों ने नूतन यज्ञोपवीत धारण करने के पूर्व मुंडन भी कराया और हंस पीठाधीश्वर स्वामी रामचरणदास महाराज तथा महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज से कान में गुरू मंत्र सुनकर दीक्षा प्राप्त की।

इंदौर • दैनिक इंदौर संकेत। हंसदास मठ परिसर में यज्ञोपवीत की विभिन्न शास्त्रोक्त पर्क्रियाओं का पालन करते बटुक।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शनिवार 24 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

एल आर लाइब्रेरी का शुभारंभ

इंदौर ●रघुवंशी कालोनी में श्रीमती मीना पंकज काले द्वारा क्षेत्र के विद्यार्थियों हेतु सर्वसुविधा युक्त लाइब्रेरी का शुभारंभ संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा अनीता चौहान मैडम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कर्मचारी नेता हरीश बोयत की अध्यक्षता अपाक्स के जिला अध्यक्ष रमेश यादव, वरिष्ठ शिक्षाविद मनोहर पाल शासकीय शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री अशोक मालवीय, जिला अध्यक्ष प्रवीण यादव के विशेष अतिथि में किया गया।

रिजर्व फोर्स ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई

इंदौर ●रिज़र्व फोर्स के संयोजक सत्यनारायण सलवाडिया ने बताया कि आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129 वीं जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर दिया जलाकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये। सलवाडिया ने बताया कि रिजर्व फोर्स द्वारा पिछले 50 वर्षों से नेताजी की जयंती मनाई जाती आ रही है। इस अवसर पर मुख्य रूप से नारायण सिंह यादव, कैलाश शर्मा,किशोर गुप्ता, अरुण माहेश्वरी, अशोक देवड़ा, सुंदर लाल यादव,राजा राम बोरासी, राजेंद्र सोनी, हरदास सुरैया, जितेंद्र रजरिया एचडी शुक्ला, अजय पांडे, राजू शर्मा, छाया भट्टाचार्य सुमती मालसे आदि मौजूद थे।

भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना तिथि 25 जनवरी मतदाता दिवस के रूप में मनायी जाती है

इंदौर ●25 जनवरी को अवकाश होने के कारण आज मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय आयोजन हुआ जिसमें प्रदेश के मुख्यसचिव अनुराग जैन द्वारा मंत्रालय में पदस्थ सभी अधिकारियों कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। मंत्रालय सेवा अधिकारी कर्मचारी संघ के सभी पदाधिकारियों सहित उक्त शपथग्रहण समारोह में उपस्थित रहे।

बीआरटीएस बस स्टॉप तोड़ने के लिए होंगे टेंडर ठेकेदारों को टेंडर भरकर काम लेने के लिए कहा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने की प्रक्रिया में अब बस स्टॉप तोड़ने का काम नई चुनौती बन गया है। पुरानी एजेंसी द्वारा काम छोड़कर भाग जाने के बाद नगर निगम अब बस स्टॉप और बची हुई रेलिंग को अलग से टेंडर के जरिए ठेके पर देने की तैयारी में जुट गया है। इसके लिए पांच ठेकेदारों को पहले ही भरोसे में ले लिया गया है। निगम अधिकारियों ने सभी को टेंडर डालने के लिए कहा है। निगम सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार नगर निगम के अधिकारियों ने यह फैसला लिया है कि बस स्टॉप और बची हुई रेलिंग को अलग-अलग टेंडर जारी करके हटाने के ठेके दिए जाए। इन ठेकेदारों को निर्देश दिए गए हैं कि टेंडर जारी होते ही आवेदन करें और प्रत्येक ठेकेदार कम से कम चार बस स्टॉप तोड़ने का जिम्मा ले, तो यह कार्य आसानी से पूरा हो जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, ठेकेदारों ने इस काम पर अपनी सहमति भी दे दी है। अब एक-दो दिन के अंदर नया टेंडर जारी कर दिया जाएगा।

बीआरटीएस कॉरिडोर कुल 12 किलोमीटर लंबा है। इसमें से एक तरफ की रेलिंग पहले ही निकाल ली

गई है, लेकिन दूसरी तरफ की रेलिंग और कुल 19 बस स्टॉप अभी भी बने हुए हैं। रेलिंग और उसके नीचे के बीम तोड़ना अपेक्षाकृत आसान है, लेकिन मुख्य समस्या 19 बस स्टॉप को तोड़ने, उनके लोहे-लंगर और मलबे को हटाने की है। निगम इस अटाला सामान को अपने पास नहीं रखना चाहता। पहले जिस एजेंसी को पूरा कॉरिडोर तोड़ने का ठेका दिया गया था, वह काम बीच में छोड़कर चली गई थी।

इसी बीच कल से नगर निगम द्वारा इस कॉरिडोर में रोड डिवाइडर बनाने और लाइट लगाने का काम शुरू कर दिया गया है। कल महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा इस कार्य का भूमिपूजन किए जाने के साथ ही अब इस काम को शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। करीब 6 किलोमीटर हिस्से में लोक निर्माण विभाग द्वारा एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण प्रस्तावित है, जिसकी तैयारी शुरू हो चुकी है। इस हिस्से को छोड़कर बचे हुए 6 किलोमीटर में ही नगर निगम डिवाइडर बनाएगा। इसमें भी देवास नाका फ्लाईओवर ब्रिज और सत्य साईं चौराहा फ्लाईओवर ब्रिज वाले क्षेत्र को छोड़ना पड़ेगा। इस तरह बहुत कम क्षेत्र बचेगा, जहां निगम की ओर से डिवाइडर का काम किया जाएगा। नगर निगम के सर्वे के अनुसार, कॉरिडोर में आरसीसी बीम की लंबाई 10,475 मीटर, चौड़ाई 0.35 मीटर और गहराई 0.30 मीटर है। इसका घनफल 2,199 घनमीटर होता है। इस बीम को हटाने पर 17.29 लाख रुपए खर्च होंगे। इसी तरह 18 बस शेल्टर होम को हटाने पर 8.20 लाख रुपए का खर्च आएगा। छोटे आरसीसी निर्माण 32,207 घनमीटर क्षेत्र में फैले हैं। इन्हें हटाने पर 3.25 लाख रुपए का खर्च आएगा। स्टील रेलिंग 3.67 लाख वर्गमीटर क्षेत्र में लगी है, जिसे निकालने पर भी लागत आएगी। बीआरटीएस तोड़ने पर कुल खर्च 34.70 लाख रुपए अनुमानित है।

अमृतसर यात्रा की अविस्मरणीय स्मृतियाँ मप्र के मीडियाकर्मियों का सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा आयोजित छः दिवसीय अमृतसर यात्रा में मध्यप्रदेश के मीडियाकर्मियों ने आध्यात्मिक विरासत, देशभक्ति, और पंजाब की संस्कृति की त्रिवेणी का आनंद लिया। मीडियाकर्मियों के दल ने स्वर्ण मंदिर, अटारी बॉर्डर और राधा स्वामी सत्संग ब्यास की भव्यता को निहारा। इस यात्रा में इंदौर, भोपाल, देवास, मनावर और शाजापुर के 115 से अधिक मीडियाकर्मी अपने परिवारजनों सहित शामिल हुए।

यात्रा के पहले दिन स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. का दल अमृतसर से 40 किलोमीटर दूर स्थित भारत-पाक सीमा अटारी बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट परेड का साक्षी बना। यह परेड भारत-पाकिस्तान सीमा की सबसे प्रसिद्ध और रोमांचक सैन्य परंपरा है। सूर्यास्त से ठीक पहले भारत के सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने उच्च स्तरीय अनुशासन, जोश और सटीकता के साथ परेड की। जवानों की बुलंद आवाज़, ऊँची किक, तेज मार्च, आक्रामक मुद्राएँ और राष्ट्रभक्ति के नारों ने दर्शकों में जोश भर दिया। इस अवसर पर स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. ने परेड कमांडर को स्मृति चिन्ह भेंट किया। यात्रा के दूसरे दिन दल ने राधा स्वामी सत्संग डेरा ब्यास का दौरा किया। डेरा ब्यास के वर्तमान प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो 1990 से इस पद पर हैं। उनके उत्तराधिकारी के रूप में जसदीप सिंह गिल को नियुक्त किया गया है। डेरा ब्यास नदी के किनारे स्थित दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक संगठनों में से एक है। इसकी शाखाएं दुनिया के 90 से अधिक देशों में हैं। डेरा ब्यास एक बड़े आत्मनिर्भर नगर जैसा है। सत्संग के समय यहां 2 से 7 लाख श्रद्धालु आते हैं।

ई ऑफिस की ट्रेनिंग में बताई नोटशीट लिखने एवं फाइल मूवमेंट की बातें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सूचना प्रौद्योगिकी के बेहतर इस्तेमाल कर ई आफिस प्रणाली का विकास किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को एनआईसी की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी शाखा प्रभारियों एवं मानव संसाधन शाखा के अधिकिरियों को विधिवत जानकारी देकर ई ऑफिस प्रणाली की बारीकियों को समझाया गया। मुख्य रूप से ऑन लाइन नोटशीट लेखन, नोटशीट ड्राफ्ट, रिकार्ड संधारण, फाइल एप्रूवल, येलो नोटशीट, ग्रीन नोटशीट इत्यादि की जानकारी दी गई। फाइल मूवमेंट एवं सेव करने की प्रक्रिया बताई गई। कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान ने सभी विभाग प्रभारियों को ई ऑफिस की बारीकियों को समझने एवं समय पर अमल में लाने के निर्देश दिए हैं।

विद्याधाम की यज्ञशाला गूंजी ललिताम्बा महायज्ञ में स्वाहाकार की मंगल ध्वनि से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर मंदिर के 31वें प्रकाशोत्सव के तहत शुक्रवार को यज्ञ शाला में चल रहे ललिताम्बा महायज्ञ में महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में विशेष आहुतियाँ समर्पित की गई। आश्रम के 31 विद्वानों ने महायज्ञ में ललिता सहस्त्र नामावली से अब तक 51 हजार आहुतियां समर्पित की हैं।

आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेंद्र महाजन ने बताया कि ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर एवं आश्रम के संस्थापक स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' की प्रेरणा से भगवती के एक हजार नामों से ललिताम्बा महायज्ञ में प्रतिदिन सग्रहमख आहुतियां समर्पित की जा रही है। शुक्रवार को महायज्ञ में मां को खीरान, मालपुए, हलवा, त्रिमधु, गन्ने, पान, कमलगट्टा एवं पंचमेवा सहित मां को प्रिय व्यंजनों की आहुतियां समर्पित की गई। यजमान के रूप में राजेंद्र महाजन, गोपाल महाजन, विनोद सिंघल, विजय सोनी, अनिल सोनी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने यज्ञ कुंड में विद्वान आचार्यों के निर्देशन में आहुतियाँ डाली। प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में आज भी मां ललिता त्रिपुर सुंदरी का सरस्वती के रूप में नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। उनके सामने फूलों से गणेशजी की मनोहारी आकृति बनाई गई। सैकड़ों भक्तों ने मां के इस स्वरूप के दर्शन किए। भगवती के नित्य नूतन और मनोहारी श्रृंगार का जिम्मा आचार्य पं. लोकेश शर्मा और उनके साथी निभा रहे हैं। सरस्वती का विशेष श्रृंगार एवं पूजन - आश्रम परिवार के रमेशचंद्र राठौर, रमेश पसारी एवं संजय पंडित ने बताया कि बसंतोत्सव के उपलक्ष्य में आश्रम स्थित सरस्वती मंदिर में भगवती का दूध, गुलाबजल, नर्मदा एवं गंगाजल सहित देश की पवित्र नदियों से महाभिषेक सुबह 7 बजे से किया गया। महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती ने इस अवसर पर कहा कि ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं परिक्रमा करने से समाज एवं राष्ट्र में सुख, शांति एवं सदभाव का पर्यावरण बनता है।

अवैध रूप से जमीन के समतलीकरण करने व वृक्ष काटे जाने पर बड़ी संख्या में वाहन जप्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिला प्रशासन के अमले ने अवैध रूप से विकासात्मक गतिविधियों के लिए जमीन के समतलीकरण करने और वृक्ष काटे जाने पर बड़ी संख्या में वाहन जप्त किए हैं। यह कार्यवाही सिरपुर चांदमारी भट्टा स्कीम नंबर 71 के पास की गई है। एसडीएम मल्हारगंज सुश्री निधि वर्मा ने बताया कि सिरपुर में सर्वे नंबर 516/7 में उक्त कार्रवाई की गई है। यह जमीन हरियाणा गृह निर्माण संस्था तर्फे लक्ष्मी नारायण सत्यनारायण शर्मा के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि के समतलीकरण और वृक्ष काटे जाने की सूचना उपरांत स्थल का निरीक्षण किया गया मौके पर 10 जेसीबी, 6 ट्रैक्टर ट्राली, एक ट्रैक्टर को जप्त किया गया।

शिक्षा विभाग में 2.86 करोड़ का गबन, रसूखदार अधिकारियों के भ्रष्टाचार ने निचले कर्मचारियों को दोषी बनाया..

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●विकास खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में शासन से छात्रवृत्ति कर्मचारियों के जीपीएफ (जनरल फंड) हेतु प्राप्त करोड़ों रुपये की राशि में विभाग के रसूखदार अधिकारियों द्वारा 2 करोड़ 86 लाख रुपये के कथित भ्रष्टाचार की गाज निचले कर्मचारियों पर गिर रही है। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की रिपोर्ट और विभागीय जांच के प्रमाणिक दस्तावेजों के अनुसार, यह घोटाला 2023-24 के वित्तीय वर्ष में छात्रवृत्ति फंड के गबन से जुड़ा है, जहां जीपीएफ खातों में हेराफेरी कर फर्जी भुगतान किए गए।

रसूखदार अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप..-कौमी एकता सद्भावना प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सैयद यूसुफ अली ने विकास खंड कार्यालय में हुए भ्रष्टाचार पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि उक्त भ्रष्टाचार में लिप्त रसूखदार अधिकारियों को बचाते हुए लिपिक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को निशाना बनाकर पद से निष्कासित कर दिया गया है। यह घटना अपने आप में हास्यपूर्ण प्रतीत हो रही है। इतना बड़ा भ्रष्टाचार बिना बड़े अधिकारियों की मिलीभगत के छोटे-कनिष्ठ अधिकारी कैसे कर सकते हैं यह बड़ा सवाल है।

विभाग के सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, भ्रष्टाचार में लिप्त मुख्य अधिकारियों में जिला शिक्षा विकासखंड अधिकारी शांता स्वामी एवं प्राचार्य सहित अन्य प्राचार्यों की भूमिका स्पष्ट नजर आ रही है। जांच रिपोर्ट में इन अधिकारियों के नाम फर्जी बिलों और जीपीएफ ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड्स से जुड़े पाए गए हैं, जो विभागीय ऑडिट में सामने आए हैं।

निष्पक्ष जांच की मांग, कलेक्टर से मिलेगा प्रतिनिधि मंडल..-सैय्यद युसूफ ने कहा कि इस पूरे विषय में नियुक्त जांच एजेंसी पर भी संदेह गहरा रहा है। शिक्षा विभाग में हुए इस करोड़ों रुपये के गबन और भ्रष्टाचार को लेकर जल्द ही एक प्रतिनिधि मंडल कलेक्टर *शिवम वर्मा* से मिलेगा। प्रतिनिधि मंडल उनसे मांग करेगा कि इस पूरे विषय की निष्पक्ष जांच हो और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी कि यदि रसूखदार अधिकारियों को संरक्षण दिया जाता रहा, तो यह शिक्षा व्यवस्था की जड़ें खोखली कर देगा।

अग्रश्री कपल्स ग्रुप की मेजबानी में 30 सदस्यों का दल जगन्नाथपुरी-गंगा सागर यात्रा पर प्रस्थित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संस्था अग्रश्री कपल्स ग्रुप की मेजबानी में शहर के अग्रवाल समाज की 30 महिलाओं एवं अन्य परिजनों का दल विमान से जगन्नाथपुरी, गंगा सागर, कोलकाता की यात्रा पर प्रस्थित हुआ। ग्रुप की संस्थापक स्वाति राजेश मंगल एवं अध्यक्ष शीतल रवि अग्रवाल ने बताया कि समाजसेवी सपना-कुलभूषण मित्तल कुक्की की प्रेरणा से श्रद्धालुओं का यह दल पहले जगन्नाथपुरी, वहां से गंगा सागर और फिर कोलकाता होते हुए 28 जनवरी को इंदौर पहुंचेगा। इस दौरान श्रद्धालु भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर, पुरी के स्वर्ग द्वार बीच, कोणार्क सूर्य मंदिर, साक्षी गोपाल मंदिर, चंद्रभागा बीच, गंगा सागर, कपिल मुनि आश्रम, हावड़ा ब्रिज, विक्टोरिया मेमोरियल एवं काली मंदिर के दर्शन करेंगे। यात्रा दल को शुक्रवार को इंदौर एयरपोर्ट से भुवनेश्वर के लिए कुलभूषण मित्तल कुक्की ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए बिदा किया।

श्री गुजराती माली समाज ने धूमधाम से मनाया श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सांवेर नगर में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के पावन अवसर पर श्री गुजराती माली समाज द्वारा भव्य एवं श्रद्धामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज की ओर से एक विशाल चल समारोह का आयोजन किया गया, जो गवली मोहल्ले से प्रारंभ किया ट्राली फूल बंगला बना कर श्री रामचंद्र भगवान की तस्वीर विराजमान पूजन कर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए कायस्थ खेड़ी रोड स्थित श्री गुजराती माली समाज धर्मशाला पर संपन्न हुआ। चल समारोह में समाज के महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। चल समारोह के दौरान 'जय श्री राम' के गगनभेदी नारों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। धर्मशाला पहुंचने पर भगवान श्री रामचंद्र जी की विधिवत पूजा-अर्चना कर आरती संपन्न की गई। कार्यक्रम का संचालन वासुदेव हारोड़ द्वारा किया गया।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357,94245-83000

सम्पादकीय

टी20 विश्व कप में उतरने को तैयार खिलाड़ी, परदे के पीछे की ताकतें बांग्लादेश को विश्व क्रिकेट में क्यों कर रही हैं अकेला?

इस विवाद के बीच बांग्लादेश के कुछ खिलाड़ियों के बयानों से ऐसे संकेत मिले हैं कि वे भारत में खेलने के इच्छुक हैं। इससे स्पष्ट है कि खेल भावना पर सियासत का रंग चढ़ाया जा रहा है, मगर इसका खमियाजा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को ही भुगतना पड़ेगा। बांग्लादेश की ओर से नाहक ही सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर भारत में होने वाले टी20 विश्व कप 2026 में भाग न लेने के फैसले को खेल भावना के विपरीत माना जा रहा है। खेल भावना शांति, एकता और आपसी सम्मान का प्रतीक है, जो मतभेदों को भुलाकर विभिन्न देशों, उनके खिलाड़ियों और लोगों को भौगोलिक सीमा के दायरे से इतर एक साथ लाती है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह सवाल भी चर्चा का विषय बन गया है कि बांग्लादेश का निर्णय क्या वास्तव में सुरक्षा चिंताओं का नतीजा है, या फिर मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों में अपनी सियासी कुंठा को छिपाने की रणनीति। दरअसल, भारत और खुद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) बांग्लादेश के असुरक्षा संबंधी दावों को खारिज कर चुके हैं। इसके बावजूद अपनी जिद पर अड़े रहने का नुकसान आखिरकार बांग्लादेश को ही झेलना पड़ेगा, न केवल आर्थिक तौर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में साख गिरने के रूप में भी। खेल के जानकारों का मानना है कि इस मामले में बात इतनी बिगड़ती ही नहीं, अगर शुरू से ही खेल को खेल भावना से जोड़कर देखा जाता। पिछले दो हफ्तों में आइसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने कई बार बातचीत की, पर गतिरोध बना रहा। बांग्लादेश सरकार और बोर्ड, दोनों भारत में न खेलने की बात पर अड़े रहे। जबकि, खिलाड़ियों की सुरक्षा का जो मसला उठाया गया है, उसके पीछे मंशा कुछ और ही प्रतीत होती है। माना जा रहा है कि असल में यह फैसला खेल की जमीन पर नहीं, बल्कि भारत और बांग्लादेश के बीच मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव की बुनियाद पर लिया गया है, जो खेल भावना के खिलाफ है। यह बात छिपी नहीं है कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड लंबे समय से आर्थिक परेशानियों से जूझ रहा है और टी20 विश्व कप में भाग न लेने से उसकी दिक्कतें और बढ़ेंगी। हालांकि इस विवाद के बीच बांग्लादेश के कुछ खिलाड़ियों के बयानों से ऐसे संकेत मिले हैं कि वे भारत में खेलने के इच्छुक हैं। इससे स्पष्ट है कि खेल भावना पर सियासत का रंग चढ़ाया जा रहा है, मगर इसका खमियाजा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को ही भुगतना पड़ेगा।

हवाई अड्डे के बाजार में उछाल

जेफरीज के विश्लेषण से पता चलता है कि भारत का एयरपोर्ट सेक्टर तेजी से एक आकर्षक रिटेल बाज़ार में बदल रहा है, जो अपनी पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़ रहा है। नॉन-एरोनॉटिकल राजस्व (भोजन, पेय, ड्यूटी-फ्री शॉपिंग, कार पार्किंग सब कुछ) FY25 से FY28 के बीच 16% की मजबूत वार्षिक दर से बढ़ने का अनुमान है। ये सेगमेंट पहले से ही कुल एयरपोर्ट आय का 40-50% हैं और महत्वपूर्ण रूप से लगभग 80% एयरपोर्ट ऑपरेटरों के मूल्यांकन का आधार बनते हैं। GMR एयरपोर्ट्स, जो दिल्ली और हैदराबाद जैसे प्रमुख हब का प्रबंधन करता है, पर्याप्त वित्तीय लाभ के लिए तैयार है। जेफरीज का अनुमान है कि कंपनी का समेकित EBITDA FY25 और FY28 के बीच सालाना 28% बढ़ सकता है। इस आक्रामक विकास का अनुमान इसके प्रमुख हवाई अड्डों पर लगातार बढ़ते प्रति-यात्री खर्चों से प्रेरित है, जो टर्मिनलों के भीतर रिटेल माहौल के सफल मुद्रीकरण को दर्शाता है।

यह रिटेल-फर्स्ट रणनीति 2026 में तीन प्रमुख हवाई अड्डों के खुलने के साथ और तेज होगी: नवी मुंबई (अडानी), नोएडा अंतर्राष्ट्रीय (फ्लगहफेन ज्यूरिख), और विशाखापत्तनम के पास भभोगपुरम (GMR)। ये विकास केवल पारगमन बिंदु के रूप में नहीं, बल्कि एकीकृत वाणिज्यिक पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में डिज़ाइन किए गए हैं। अडानी एंटरप्राइजेज, जो पहले से छह हवाई अड्डों का प्रबंधन करता है, अपने मुंबई, नवी मुंबई और अहमदाबाद स्थानों पर सिटी-साइड परियोजनाओं का सक्रिय रूप से विकास कर रहा है, ताकि निरंतर आय के लिए एरोट्रोपोलिस मॉडल का लाभ उठाया जा सके।

मजबूत रिटेल गति के बावजूद, एयरपोर्ट राजस्व वृद्धि यात्री फुटफॉल पर निर्भर करती है, जो एयरलाइन क्षमता की बाधाओं के प्रति संवेदनशील है। पायलटों की कमी और फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FTDL) जैसे कारकों के कारण हवाई यात्री वृद्धि में पहले ही महत्वपूर्ण मंदी आ चुकी है। यदि ये समस्याएं बनी रहती हैं, तो एयरलाइन्स क्षमता वृद्धि को सीमित कर सकती हैं, जिससे ऑपरेटरों के लिए लाभप्रदता बनाए रखने के लिए नॉन-एरोनॉटिकल राजस्व धाराएँ और भी महत्वपूर्ण हो जाएंगी।आगे देखते हुए, सरकार द्वारा मार्च 2026 तक भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की 11 संपत्तियों के नियोजित निजीकरण से विस्तार के नए रास्ते खुलेंगे। भुवनेश्वर और वाराणसी जैसे शहरों में ये आगामी हवाई अड्डे नए बंदी बाजार

प्रस्तुत करते हैं जहां एयरपोर्ट ऑपरेटर अपने सफल रिटेल-केंद्रित व्यवसाय मॉडल को दोहरा सकते हैं, जो दीर्घकालिक विकास क्षमता को मजबूत करता है।

देखने वाली बात यह है कि अब जब आप आज दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर हैं, तो देरी का कारण प्रस्थान द्वार नहीं हो सकता है। तो नया चैनल एक बुटीक होगा। हैदराबाद में फ्लाइट में चढ़ने से पहले गॉर्डन रामसे बर्गर खाना आकर्षक हो सकता है। पूरे भारत में हवाई यात्रा को इसी तरह से नया रूप दिया जा रहा है। अब हवाई यात्रा केवल गंतव्य तक पहुंचने तक ही सीमित नहीं है; यह देखना भी महत्वपूर्ण है कि यात्री बीच में अपने घंटे कैसे बिताते हैं।

भारत के विमानन उद्योग के लिए सबसे महत्वपूर्ण वृद्धि अब आसमान में नहीं, बल्कि जमीन पर है। गैर-टिकटिंग और गैर-विमानन राजस्व धाराएं इस क्षेत्र के सबसे मजबूत विकास इंजन बन गए हैं। लेकिन सीट अपग्रेड, लाउंज, प्रीमियम डाइनिंग, एडवरटाइजिंग, ब्रांडेड रिटेल और एक्सक्लूसिव एक्सपीरियंस जैसी अतिरिक्त सेवाओं के साथ मुनाफा बढ़ रहा है।चांगी और दुबई जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर, 40 से 50 प्रतिशत राजस्व गैर-टिकटिंग स्रोतों से आता है। भारत भी पीछे नहीं है। हवाई अड्डों और एयरलाइनों के राजस्व में सहायक सेवाओं का योगदान 25 से 35 प्रतिशत है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार, डिजिटलीकरण और प्रीमियम अनुभवों की बढ़ती मांग इस बदलाव को तेज कर रही है। भारत में, यह बदलाव दो स्तरों पर हो रहा है: एयरलाइंस अपने सेवा नेटवर्क को टिकटिंग से परे सेवा पारिस्थितिकी तंत्र में बदल रही हैं, हवाई अड्डे खुदरा, खानपान और मीडिया के केंद्र बन रहे हैं।

टाटा समूह एयर इंडिया में जो परिवर्तन कर रहा है, वह नए विमानों और नई ब्रांडिंग तक सीमित नहीं है। एयरलाइन यात्रियों की यात्रा के हर चरण का मुद्रीकरण करने के लिए एक मजबूत पूरक सेवा पोर्टफोलियो का निर्माण कर रही है। सहायक राजस्व वित्त वर्ष 2024 में 1,700 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 2,500 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी का लक्ष्य सीट अपग्रेड, अतिरिक्त सामान, किराया लॉक, यात्रा बीमा, उपहार कार्ड और वीएफएस ग्लोबल के 'वनवास्को वीजा कंसीयज' जैसी सेवाओं के माध्यम से इस राजस्व को तीन गुना करना है। अन्य सेवाएं जैसे प्राथमिकता चेक-इन, टैक्सी बुकिंग के लिए टाई-अप और टाटा एआईजी यात्रा बीमा को सुविधा को राजस्व में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। एयरलाइन के एक अधिकारी ने कहा, 'सीट चयन से लेकर टैक्सी बुकिंग तक, हर उत्पाद ब्रांड को यात्रियों की निर्णय लेने की प्रक्रिया में रखता है। इंडिगो के बड़े पैमाने पर लाभ से पता चलता है कि पूरक राजस्व वृद्धि कितनी दूर तक जा सकती है। वर्तमान में, निजी एयरलाइंस एयरलाइन की रणनीति का पालन कर रही हैं। गैर-विमानन राजस्व अब उनके व्यवसाय मॉडल का केंद्र बन गया है। दिल्ली और हैदराबाद हवाई अड्डों का संचालन करने वाले लस्क्रहवाई अड्डों पर गैर-एयरो राजस्व वित्त वर्ष 2023-24 में 43 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 47 प्रतिशत और वित्त वर्ष 25-26 की दूसरी तिमाही में हो गया इसमें पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। खुदरा, शुल्क मुक्त उत्पादों की बिक्री, खाद्य और पेय (एफ एंड बी) और अन्य सेवाएं विकास का नेतृत्व कर रही हैं।

जीएमआर एयरपोर्ट्स के अध्यक्ष और सीईओ राजेश अरोड़ा कहना है कि - 'जैसा कि भारत का विमानन क्षेत्र विस्तार के एक नए चरण में प्रवेश कर रहा है, हम यात्री वृद्धि और खर्च दोनों को चलाने वाले मजबूत अनुकूल कारक देख रहे हैं। ' उन्होंने कहा, 'हम सिर्फ एक बुनियादी ढांचा ऑपरेटर से एक विविध ग्राहक मंच के रूप में विकसित हुए हैं और हवाई अड्डों को मूल्य वर्धित गंतव्यों में बदल रहे हैं। आठ हवाई अड्डों का संचालन करने वाली अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (AAHL) ने FY25 में गैर-विमानन राजस्व में 4,926 करोड़ रुपये कमाए, जो अडानी हवाई अड्डों के कुल राजस्व का लगभग आधा है। अप्रैल मून रिटेल और मुंबई ट्रैवल रिटेल जैसी सहायक कंपनियां एक विस्तारित इन-हाउस रिटेल मॉडल को बढ़ावा दे रही हैं।

अडानी समूह चरणबद्ध शहर-स्तरीय परियोजनाओं में 4 बिलियन का निवेश कर रहा है, जिसमें से लगभग 70 प्रतिशत मुंबई और मुंबई में वित्तपोषित किया जा रहा है। नवी मुंबई को हवाई अड्डों के लिए आरक्षित किया गया था। ध्यान व्यक्तिगत, डेटा-संचालित खुदरा पर है जो यात्रियों, कर्मचारियों और शहर के उपभोक्ताओं को पूरा करता है।

अडानी एयरपोर्ट के सीईओ गौरव सिंह ने कहा, 'हम पूरे हवाई अड्डे के कारोबार को संभालने और सभी खुदरा व्यवसाय को अपने दम पर चलाने की योजना बना रहे हैं। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के लिए, जो बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करता है, इसके राजस्व का 35 प्रतिशत गैर-एयरो व्यवसाय से आता है, जिसमें एफ एंड बी लाउंज, खुदरा आदि शामिल हैं।इसमें शुल्क मुक्त उत्पादों की बिक्री और संवर्धन शामिल है। कंपनी की योजना अगले पांच वर्षों में अपने खुदरा कारोबार को 40,000 वर्ग मीटर से बढ़ाकर 1 लाख वर्ग मीटर करने और 500 से अधिक ब्रांडों को जोड़ने की है।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

3.385 किलो गांजा जब्त, महाराष्ट्र सीमा पर तस्कर गिरफ्तार, 66 हजार रुपए का माल पकड़ाया

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस को एक और सफलता मिली है। महाराष्ट्र सीमा से लगे दामखेड़ा क्षेत्र में शुक्रवार को पुलिस ने बाइक से गांजा तस्करी कर रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 3 किलो 385 ग्राम गांजा बरामद किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 66 हजार रुपए बताई जा रही है।

चैनपुर थाना प्रभारी गहलोद सेमलिया ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति दामखेड़ा फाटा क्षेत्र में अपने बैग में अवैध गांजा लेकर खड़ा है और होंडा शाइन मोटरसाइकिल से झिरन्या की ओर जाने की तैयारी में है। सूचना में बाइक का नंबर एमपी10 जेडए 8869 भी बताया गया था। सूचना के आधार पर पुलिस टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया। पुलिस को देखते ही संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल लेकर सेमलकुट रोड की ओर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर कुंसुंबिया निवासी 45 वर्षीय रेलास पिता गाठिया को पकड़ लिया।

3.385 किलो गांजा और बाइक जब्त - तलाशी के दौरान आरोपी के बैग से 3 किलो 385 ग्राम गांजा बरामद किया गया। इसके साथ ही गांजे के परिवहन में इस्तेमाल की जा रही लगभग 50 हजार रुपए मूल्य

की मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ चैनपुर थाना अंतर्गत हेलापड़ावा पुलिस चौकी पर नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट की धारा 8/20 के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी से आगे की पूछताछ की जा रही है। यह खरगोन पुलिस की गांजा तस्करी के खिलाफ लगातार दूसरे दिन की कार्रवाई है। इससे पहले गुरुवार को भी पुलिस ने चैनपुर क्षेत्र से करीब 8 लाख रुपए मूल्य के गांजे के साथ एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया था।

जल संचयन, जनभागीदारी अभियान में टारगेट दिए गए

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • सरपंच-सचिव और रोजगार सहायक संगठन के संयुक्त मोर्चा ने स्वीकार किया कि टारगेट देकर उनसे काम लिए जा रहे हैं। जल संचयन, जनभागीदारी अभियान हो या फिर एक बगिया मां के नाम स्कीम, इनमें टारगेट देकर काम कराया, कई पंचायतकर्मियों को मानसिक रूप से प्रताड़ना झेलना पड़ी हैं। इस बात का खुलासा पंचायत सचिव और सरपंच संघ के जिलाध्यक्षों ने दैनिक भास्कर से बातचीत में किया हैं। सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष श्रीराम पटेल ने बताया कि जल संरक्षण के कार्यों में खेत तालाब, एक बगिया मां के नाम बगिया के पैसे अभी तक हितग्राहियों को नहीं मिले हैं। अब जमीन पर काम नहीं हुआ तो जिले के अधिकारी जांच करवा रहे हैं और जबरन परेशान किया जा रहा हैं। सचिव संघ जिलाध्यक्ष नरेंद्र प्रजापति ने कहा कि जल संचयन, जनभागीदारी सहित कई ऐसी स्कीम हैं, जिनमें शासन-प्रशासन के द्वारा टारगेट दिए जा रहे हैं। ये तरीका गलत हैं। यह सिस्टम बंद होना चाहिए। सरपंच-सचिवों ने कहा कि, पंचायत में सीसी रोड़ हो या फिर भवन निर्माण के काम, गांव में गुणवत्ता के साथ काम करने की जिम्मेदारी सरपंचों की

रहती हैं। रोड़ उखड़ जाए तो जांच में सरपंच-सचिव को दोषी पाकर रिकवरी निकाली जाती हैं। गबन का केस दर्ज कर धारा 40 के तहत कार्रवाई होती हैं। लेकिन शासन का इंजीनियरों के लिए कोई नियम नहीं हैं। प्रत्येक काम का मूल्यांकन कराने के लिए सब इंजीनियर को कुल लागत का 5% और असिस्टेंट इंजीनियर यानी एई को 2% कमीशन देना होता हैं। यह इंजीनियरों ने फिक्स करके रखा हैं।

जल संचयन, जनभागीदारी अभियान में हुए फर्जीवाड़े के तहत हरसूद जनपद पंचायत की शाहपुरा माल ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक को निलंबित किया गया हैं। निलंबित रोजगार सहायक कृपाराम कलमें ने कहा कि मुझे तो तय सीमा में काम करने के लिए टारगेट दिया गया था। अब जो काम हुआ है, उसका मूल्यांकन तो इंजीनियर श्वेताली लुक ने किया हैं। इस प्रक्रिया में सरपंच-सचिव और इंजीनियर भी शामिल रहते हैं। मैं अकेला दोषी थोड़ी ना हूं। इधर, सीईओ जिला पंचायत ने अब तक किसी इंजीनियर पर एक्शन नहीं लिया हैं। जबकि सैकड़ों तालाबों की राशि बगैर काम के मूल्यांकन होने के बाद निकाली गई हैं। दरअसल, खंडवा जिला पंचायत के माध्यम से पूरे पंचायत विभाग में मनमानी पूर्वक कार्य कराए जा रहे हैं। भ्रष्टाचार और गबन के मामलों में दोषी पाए गए कई इंजीनियरों को मुख्य धारा में लाकर पोस्टिंग दी गई हैं। कार्यपालन यंत्री से लेकर सहायक यंत्री तक की पोस्ट से उन्हें नवाजा गया हैं। इन पर आपत्ति लेने वाली जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े को सिस्टम ने घेर लिया हैं। जिले में दूसरे नंबर पर सीनियरटी रखने वाले सहायक यंत्री अरविंद पाटीदार को आरईएस में अटैच करके रखा हैं। जबकि इसके पहले वे हरसूद जनपद के सीईओ रह चुके हैं। बिना किसी आरोप के उन्हें हटाया गया। हरसूद के वर्तमान जनपद सीईओ जितेंद्र ठाकुर के पास तीन जनपदों का प्रभार हैं।

टंट्या मामा की धातु प्रतिमा के लिए ई-टेंडर जारी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • नगर पालिका ने जननायक टंट्या मामा की धातु की जगह फाइबर की मूर्ति लगाने के कथित घोटाले से उपजे विवाद के बाद नई प्रतिमा स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए शुक्रवार को ऑनलाइन ई-टेंडर आमंत्रित किए गए हैं। नगर पालिका के अनुसार, 2 फरवरी तक न्यूनतम दर पर टंट्या मामा की मूर्ति खरीदने के लिए ई-टेंडर खोले जाएंगे। दावा किया गया है कि 4 फरवरी को खरीद प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। इसके बाद आगामी 45 दिनों के भीतर टंट्या मामा तिराहे पर धातु की नई प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इस मामले में भाजपा पार्षदों के साथ-साथ जिला कांग्रेस कमेटी ने भी शिकायत दर्ज कराई थी। कांग्रेस ने अब स्पष्ट किया है कि टेंडर प्रक्रिया के बाद 60 दिनों के भीतर तय मापदंडों के अनुसार मूर्ति स्थापित की जानी चाहिए।

सनन पॉवर गोली जब्त, बिना चिकित्सकीय परामर्श बिक्री पर 3 विभागों की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिला प्रशासन की टीम ने बस स्टैंड पर बिना चिकित्सकीय परामर्श अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान दो दुकानों से 16 किलो 500 ग्राम 'सनन' और 'पॉवर' ब्रांड की मादक गोलियों के डिब्बे और बॉक्स जब्त किए गए। इन गोलियों की बिक्री पान मसाला व सुपारी सेंटर पर की जा रही थी। यह कार्रवाई बिना चिकित्सकीय परामर्श पाचक गोलियों की थोक बिक्री की सूचना मिलने पर की गई। कलेक्टर भव्या मित्तल के निर्देश पर जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ यह अभियान चलाया जा रहा है। तीन विभागों की संयुक्त टीम ने जांच की। इस टीम में जिला आयुष अधिकारी वासुदेव आसलकर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी हरीश आर्य और आबकारी विभाग के उपनिरीक्षक मुकेश गौर शामिल

थे। टीम ने शिव सुपारी और पन मसाला सेंटर पर जांच की। अधिकारियों ने बताया कि टीम ने करीब 16 किलो 500 ग्राम मादक पदार्थ 'सनन' और 'पॉवर' ब्रांड के डिब्बे और पॉलीथिन पैकेट जब्त किए। पंचनामा बनाकर सैंपलिंग भी की गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिले में अवैध मादक पदार्थों पर निगरानी का यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

स्कूल नहीं बताएंगे कहां से खरीदें किताब-यूनिफॉर्म : कलेक्टर

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • जिले के किसी भी निजी स्कूल में विद्यार्थियों को किताबें, यूनिफॉर्म, जूते, टाई या स्टेशनरी सामग्री किसी एक ही दुकान से खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकेगा। स्कूलों, प्रकाशकों और विक्रेताओं की एकाधिकार प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ऋषव गुप्ता ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के अनुसार सभी निजी स्कूल संचालकों और प्राचार्यों को निर्देशित किया गया है कि वे अपनी प्रत्येक कक्षा की अनिवार्य पुस्तकों की सूची और यूनिफार्म की जानकारी 10 फरवरी 2026 से पहले स्कूल की वेबसाइट पर अपलोड करें और विद्यालय परिसर में सार्वजनिक स्थान पर चस्पा करें। मान्यता नियमों के तहत स्कूल की स्वयं की वेबसाइट होना अनिवार्य रहेगा। कलेक्टर गुप्ता ने बताया कि स्कूल प्रबंधन को प्रवेश के समय और परीक्षा परिणाम

के समय अभिभावकों को पुस्तकों की सूची उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही सत्र शुरू होने से एक माह पूर्व पुस्तक और यूनिफार्म के कम से कम तीन विक्रेताओं के नाम स्कूल वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी विक्रेता किसी कक्षा का पूरा सेट खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेगा। यदि किसी विद्यार्थी के पास पुरानी किताबें उपलब्ध हैं, तो उसे केवल आवश्यक पुस्तकों की ही बिक्री की जाएगी। विद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि यूनिफार्म का निर्धारण इस तरह किया जाए कि कम से कम तीन वर्ष तक उसमें कोई परिवर्तन न हो।

लड़कियों को मिलेगा फ्री ड्राइविंग लाइसेंस, 24-25 जनवरी को ट्रैफिक पुलिस थाने में शिविर

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • पुलिस सड़क सुरक्षा अभियान के तहत महिलाओं और 18 वर्ष से अधिक आयु की बच्चियों के लिए निःशुल्क टू-व्हीलर ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का आयोजन कर रही है। यह दो दिवसीय शिविर 24 और 25 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। यह पहल पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर देवेंद्र पाटीदार के निर्देशन में की जा रही है। इसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंतरसिंह कनेश और नगर पुलिस अधीक्षक गौरव पाटिल का मार्गदर्शन भी शामिल है। शिविर का मुख्य उद्देश्य 'सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा' के संदेश को बढ़ावा देना है। शिविर का आयोजन यातायात थाना (ट्रैफिक पुलिस) में होगा। यह दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक चलेगा। इच्छुक महिलाएं और बच्चियां निर्धारित तिथियों पर उपस्थित हो सकती हैं। ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए आवेदकों को अपने साथ आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो और आधार से लिंक मोबाइल नंबर लाना अनिवार्य होगा। यह शिविर पूरी तरह निःशुल्क है और विशेष रूप से महिलाओं एवं बच्चियों के लिए है। पुलिस ने सभी पात्र व्यक्तियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं और सुरक्षित ड्राइविंग नियमों का पालन करें।

तिलक के टी20 विश्वकप तक फिट होने की उम्मीदें

नई दिल्ली (एजेंसी) ● सर्जरी के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे तिलक वर्मा के टी20 वर्ल्ड कप से पहले फिट होने की उम्मीदें हैं। तिलक अभी बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सिलेंस में रिहैब से गुजर रहे हैं। तिलक ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करके शीघ्र ही वापसी की उम्मीद जतायी है। तिलक का एक ऐसा ही वीडियो भी आया है। इसमें वह व्यायाम करते हुए दिखे हैं। इसमें उन्होंने लिखा, कोई कसर नहीं छोड़ रहे, कमबैक सून।

तिलक टी20 के एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप के फाइनल में इस बल्लेबाज ने जबरदस्त पारी खेलकर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी। वहीं पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय टीम को लाभ हुआ था। सीरीज में तिलक ने सबसे अधिक 187 रन बनाये थे। इस दौरान उन्होंने 2 अर्धशतक भी लगाये। तिलक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज की तैयारी के लिए विजय हजारे ट्रॉफी में 2 मैच भी खेले भे, जिसमें उन्होंने 109 और 34 रन बनाये थे। इसी दौरान उन्हें पेट में दर्द उठा था जिसके इलाज के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। इस कारण से वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज के शुरुआती 3 मैचों से बाहर हो गये थे।

बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक नंबर तीन पर भारत के भरोसेमंद बल्लेबाज हैं। विश्व कप में उनके रहने से भारतीय टीम को लाभ होगा। वह दबाव के हालातों में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हैं। तिलक ने अब तक 40 मैचों की 37 पारियों में 49.29 की औसत से 1,183 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 144.09 है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके नाम 2 शतक और 6 अर्धशतक हैं। उन्होंने नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते हुए 15 पारियों में 60.22 की औसत और 160 के स्ट्राइक रेट से 542 रन बनाये हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उनके दोनों शतक तीन पर बल्लेबाजी करते हुए ही आएं हैं।

केंद्रीय मंत्री से स्कूली शिक्षा को और बेहतर बनाने पर चर्चा की विक्रांत

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता विक्रांत मैसी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की, जिसमें स्कूली शिक्षा को और बेहतर, प्रभावी और समृद्ध बनाने को लेकर गंभीर और सार्थक बातचीत हुई। इस मुलाकात को दोनों पक्षों ने बेहद सकारात्मक और प्रेरणादायक बताया है। विक्रांत मैसी को फिल्म '12वीं फेल' में उनके दमदार अभिनय के लिए नेशनल अवॉर्ड से नवाजा जा चुका है। यह फिल्म न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, बल्कि शिक्षा, संघर्ष, ईमानदारी और मेहनत जैसे विषयों को सशक्त तरीके से सामने लाने के कारण समाज में गहरी छाप छोड़ गई। करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने लगभग 70 करोड़ रुपये की कमाई की थी और कई राज्यों में इसे टैक्स फ्री भी किया गया था। फिल्म में विक्रांत ने आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के संघर्षपूर्ण जीवन को पर्दे पर जीवंत किया था।

अब पर्दे के बाहर भी विक्रांत मैसी शिक्षा से जुड़े विषयों को लेकर सक्रिय नजर आ रहे हैं। उन्होंने शिक्षा मंत्री के साथ हुई मुलाकात की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा कीं और इसे ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने लिखा कि धर्मेंद्र प्रधान के साथ हुई बातचीत बेहद सार्थक रही और भारतीय भाषाओं के प्रति मंत्री का लगाव उन्हें खास तौर पर प्रभावित कर गया। विक्रांत के अनुसार, युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने और कक्षाओं को ज्यादा संवादात्मक बनाने पर हुई चर्चा बेहद प्रेरणादायक रही। वहीं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा कीं।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक पर हैं पहलवान रवि दहिया की नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी) ● ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया। घर से दूर प्रशिक्षण के लिए पहुंचे रवि के लिए उनके पिता रोजाना 39 किलोमीटर की दूरी तय कर दिल्ली स्टेडियम में उनके लिए घर से ताजा दूध व फल लेकर वहां पहुंचते थे। यह प्रक्रिया रवि के एक बड़े पहलवान बनने तक जारी रही। ऐसे में रवि के पिता की साधना उन्हें पहलवान बनाने की दिशा में एक बड़ी प्रेरणा है। सतपाल सिंह की देखरेख में में रवि की कोचिंग शुरू हुई थी।

दीपिका पादुकोण की वर्क कॉल पर निखिल द्विवेदी का समर्थन

मुंबई (एजेंसी) ● प्रोड्यूसर निखिल द्विवेदी ने दीपिका पादुकोण का खुलकर सपोर्ट किया है और मां बनने के बाद उनके बैलेंस्ड वर्क शेड्यूल के फैसले का साथ दिया है। उनके इस बयान ने फिल्म इंडस्ट्री में जोरदार चर्चा शुरू कर दी है, जहां लोग रियलिस्टिक वर्किंग ऑवर्स, समझदारी और शुरुआती मातृत्व में पैरेंट्स की मौजूदगी की अहमियत पर बात कर रहे हैं। हाल ही में दीपिका पादुकोण के बारे में बात करते हुए निखिल द्विवेदी ने कहा, 'मुझे यकीन है कि उन्होंने पहले 12 या 14 घंटे तक काम किया होगा। अब वह नई मां बनी हैं और मुझे लगता है कि हमें इसे थोड़ी नर्मी और समझदारी के साथ देखना चाहिए। नवजात शिशु के लिए पैरेंट्स की मौजूदगी की अहमियत पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'एक नन्हे बच्चे के लिए यह बहुत जरूरी है कि मां या पिता में से कोई न कोई पास हो और खासकर मां का होना बेहद अहम है।

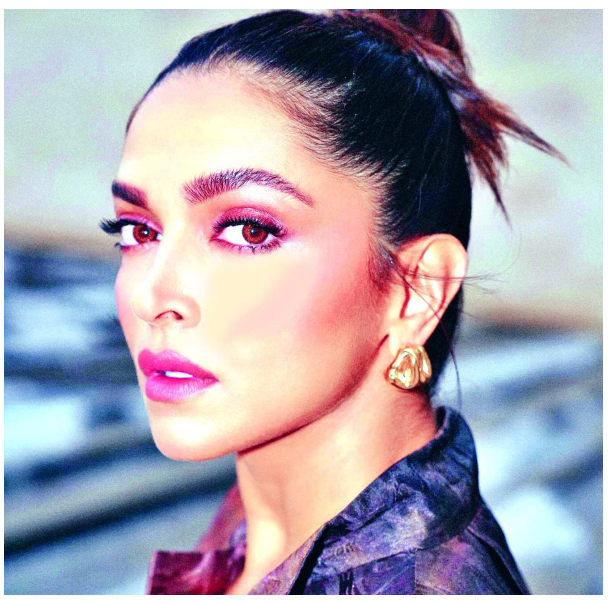

उज्जैन संभाग

तराना में फिर पथराव, पुलिस ने खदेड़ा, बस-दुकान जलाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●उज्जैन के तराना में शुक्रवार रात करीब 9 बजे फिर से पथराव हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और हलका बल प्रयोग करते हुए उपद्रवियों को इमली बाड़ा से खदेड़ दिया। उज्जैन के तराना कस्बे में गुरुवार रात शुरू हुआ विवाद शुक्रवार दोपहर बाद हिंसा में बदल गया। हालात उस समय बेकाबू हो गए, जब एक दुकान में आग लग गई और एक बस को फूंक दिया गया। आगजनी के बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया, जिसमें एक युवक घायल हो गया। पुलिस ने 15 लोगों को गिरफ्तार किया है।

गुरुवार रात एक युवक से मारपीट की घटना के बाद दो समुदाय आमने-सामने आ गए थे। इस दौरान उपद्रवियों ने 13 बसों में तोड़फोड़ की। शुक्रवार को तनाव और बढ़ गया, जब हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने तराना थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपियों का जुलूस निकालने और उनके घर तोड़ने की मांग की।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने पहुंचे और नारेबाजी की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से शुक्रवार को बाजार बंद रखने का फैसला किया। क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। जुमे की नमाज भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न कराई गई। नई बाखल इलाके में पुलिस के सामने ही उपद्रवी दुकानों में तोड़फोड़ करते नजर आ रहे हैं।

फिलहाल, इलाके में तनाव है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है और उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। वहीं जबलपुर में उज्जैन के तराना को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा- हमारी सरकार सुशासन के लिए जानी जाती है। जहां व्यवस्थाओं में ढिलाई होती है। हम कठोरता से पेश आते हैं। मध्य प्रदेश शांति का टापू है।

गौरतलब है कि तराना में गुरुवार शाम करीब 7.30 बजे दो पक्षों में विवाद हो गया था। उपद्रवियों ने बस स्टैंड पर खड़ी 11 बसों में तोड़फोड़ कर दी थी। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दी गई थी। विवाद की शुरुआत बड़े राम मंदिर के सामने स्थित सुखला गली में हुई थी। यहां मंदिर के सामने विश्व हिंदू परिषद के नगर मंत्री सोहेल ठाकुर (बुंदेला) खड़े थे। इसी दौरान ईशान मिर्जा सहित कुछ लोग वहां आए। कहने लगे कि यहां क्यों खड़े हो? इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। कुछ युवकों ने पीछे से सोहेल पर हमला कर दिया।

मामले में पुलिस ने सप्पान मिर्जा (मदारबाड़ा), ईशान मिर्जा, शादाब उर्फ इडली, सलमान मिर्जा, रिजवान मिर्जा और नावेद के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज किया था। इलाके में 7 थानों का पुलिस बल तैनात किया गया था।

बसंत पंचमी पर पीले रंग में रंगी सिंहपुरी गली सरस्वती मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● बसंत पंचमी पर शुक्रवार को उज्जैन की सिंहपुरी गली पूरी तरह पीले रंग में रंगी नजर आई। सुबह से ही यहां स्थित करीब 500 साल पुराने माता सरस्वती मंदिर में बच्चों और उनके परिजनों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। विद्यार्थी माता सरस्वती से बुद्धि, स्मरण शक्ति और सफलता का आशीर्वाद लेने पहुंचे।

मंदिर परिसर में विद्यार्थियों के लिए विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। मान्यता है कि बसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती स्वयं विद्यार्थियों को ज्ञान का वरदान देती हैं। इसी विश्वास के साथ बच्चों ने माता की प्रतिमा पर स्याही चढ़ाई, अपनी कलम और किताबें अर्पित कीं। छोटे बच्चों से लेकर बड़े छात्र तक मंदिर में पीले फूल, पीले चावल और प्रसाद चढ़ाते नजर आए। सभी ने आने वाली परीक्षाओं में अच्छे अंक और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कई अभिभावक भी अपने बच्चों के साथ पहुंचे और उनके लिए प्रार्थना की।

मंदिर के पंडित अनिल मोदी ने बताया कि बसंत पंचमी का दिन मां सरस्वती को समर्पित होता है, जिन्हें बुद्धि और ज्ञान की देवी माना जाता है। उन्होंने बताया कि मंदिर में विराजित माता की पाषाण प्रतिमा मुगल काल की है और स्याही चढ़ाने की परंपरा वर्षों से चली आ रही है।

विद्यार्थियों की आस्था का केंद्र बना मंदिर

इसी आस्था और विश्वास के चलते हर वर्ष बसंत पंचमी पर सिंहपुरी गली स्थित यह प्राचीन सरस्वती मंदिर विद्यार्थियों की श्रद्धा का प्रमुख केंद्र बन जाता है, जहां शिक्षा से जुड़े हर वर्ग के लोग मां सरस्वती का आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं।

महाकाल मंदिर से होली की शुरुआत, पंचामृत अभिषेक और गुलाल अर्पण के साथ दिव्य श्रृंगार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● बसंत पंचमी पर्व की शुरुआत शुक्रवार को भगवान महाकाल के आंगन से हुई। महाकाल मंदिर में पीले वस्त्रों और पुष्पों के साथ भगवान को गुलाल अर्पित किया गया। महाकाल मंदिर के आंगन से ही बसंत पंचमी पर्व पर गुलाल अर्पित कर होली पर्व की शुरुआत भी मानी जाती है। आज से प्रतिदिन होली तक भगवान को गुलाल अर्पित किया जाएगा। बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक विश्व-प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बसंत पंचमी पर्व पर तड़के चार बजे मंदिर के कपाट खोले गए। इसके बाद भगवान महाकाल को जल से स्नान कराया गया। दूध, दही, घी, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से बाबा महाकाल का अभिषेक-पूजन किया गया। इस दौरान भगवान को पीले पकवानों का भोग भी अर्पित किया गया। बसंत पंचमी के पावन पर्व पर बाबा महाकाल का राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। इस अवसर पर भगवान के मस्तक पर त्रिपुंड और चंद्र के साथ पुष्प अर्पित किए गए। भस्म आरती के दौरान महाकाल का भांग, चंदन, सिंदूर एवं आभूषणों से श्रृंगार किया गया। मस्तक पर रत्नजड़ित तिलक, रजत मुकुट, रजत की मुंडमाला एवं रजत जड़ी रुद्राक्ष की माला के साथ सुगंधित पुष्पों की माला अर्पित की गई। फल एवं मिष्ठान का भोग लगाया गया।

केसर युक्त पंचामृत से अभिषेक

ज्योतिर्लिंग श्री महाकालेश्वर मंदिर में तड़के होने वाली भस्म आरती से लेकर रात्रि में होने वाली शयन आरती तक, पांचों आरतियों में बसंत पंचमी पर्व का उत्साह देखने को मिलेगा। महाकाल मंदिर के महेश पुजारी ने बताया कि शुक्रवार को बसंत पंचमी पर्व पर भस्म आरती में भगवान महाकाल का केसर युक्त पंचामृत से अभिषेक किया गया। भगवान को सरसों के पीले फूल अर्पित किए गए। मंदिर की परंपरा के अनुसार बसंत पंचमी से होली तक नित्य आरती में भगवान को गुलाल अर्पित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

डाटा एन्ट्री ऑपरेटर (संविदा) की मेरिट सूची का प्रकाशन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा दिये गये निर्देशानुसार इंदौर जिले में अस्थायी तौर पर सृजित डाटा एन्ट्री ऑपरेटर (संविदा) के पद हेतु आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्यवाही संपादित की जाकर प्राप्त आवेदन पत्रों का परीक्षण नियुक्त चयन समिति द्वारा किया जाकर अंतरिम मेरिट सूची तैयार की गई है। संयुक्त कलेक्टर एवं सहा.उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि तैयार की गई मेरिट सूची का प्रकाशन 23 जनवरी 2026 को किया जाकर इन्दौर जिले की वेबसाईट httpsÑ//indore.nic.in/ एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड कर चस्पा कर दिया गया है, जिसका अवलोकन किया जा सकता है।

79 हजार रु. से अधिक की अवैध मदिरा, दुपहिया वाहन जप्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इस कार्यवाही में अवैध मदिरा और एक दुपहिया वाहन भी जप्त किया गया। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। उक्त कार्रवाई गत दिवस आबकारी टीम को देखकर बड़ी ग्वालटोली क्षेत्र में अवैध मदिरा परिवहन करते दुपहिया वाहन चालक फरार होने लगा। शंका के आधार पर आबकारी टीम द्वारा युवक का पीछा करने पर वह बड़ी ग्वालटोली शमशान घाट के पास अपना वाहन छोड़ फरार हो गया।

उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद वृद्ध महिला-पुरुष की मौत

नहीं थम रहा मौतों का सिलसिला, दूषित पानी से हुई 27वीं मौत, कई मरीज हैं भर्ती

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से शुक्रवार को दो और मौतें हो गई। 63 साल के बद्रीप्रसाद को उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद अरविंदो अस्पताल में गत 17 जनवरी को भर्ती कराया गया था। उन्हें टीबी की बीमारी भी थी। इसी तरह 80 वर्षीय विद्याबाई की उल्टी-दस्त से रात को मौत हो गई। उनके पुत्र ने बताया कि उन्हें 12 जनवरी को भर्ती कराया गया था इन्हें मिलाकर भागीरथपुरा में अब तक 27 लोगों की मौत हो चुकी है। दूषित पानी से मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। अभी भी अरविंदो अस्पताल में 10 लोग भर्ती हैं। एक मरीज वेंटिलेटर पर

है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, भर्ती मरीजों में से 8 दूसरी बीमारियों से भी पीड़ित हैं। भागीरथपुरा क्षेत्र के 30 प्रश हिस्से में एक दिन छोड़कर पानी सप्लाई शुरू कर दिया गया है। इसके साथ ही नियमित टेस्टिंग भी हो रही है। हालांकि, रहवासियों का विश्वास कायम होने में समय लगेगा। अधिकांश रहवासी अभी भी आरओ और टैंकर का पानी ही उपयोग कर रहे हैं। वहीं क्षेत्र के बाकी 70 प्रतिशथ हिस्से जो पाइपलाइन का जो काम चल रहा है, वो इस माह पूरा हो जाने की उम्मीद है।

महू में दूषित पानी की समस्या के बाद पहुंचा अमला

जिले के महू के पट्टी बाजार एवं चन्दर मार्ग क्षेत्र में दूषित पानी से बीमार होने की सूचना के बाद कलेक्टर शिवम वर्मा गुरुवार देर रात महू पहुंचे। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर भर्ती मरीजों से चर्चा की तथा प्रभावित क्षेत्र के रहवासियों से भी संवाद किया। दूषित पेयजल से बीमार 9 लोग फिलहाल अस्पताल में उपचाररत हैं, जबकि अन्य लोग अपने घरों पर ही उपचार ले रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद शुक्रवार सुबह से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. माधव हसानी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग का अमला मौके पर मौजूद है। उन्होंने बताया कि इंदौर मेडिकल कॉलेज की टीम और इंदौर के अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों का अमला भी मौके पर भेजा जा रहा है। क्षेत्रीय विधायक उषा ठाकुर ने भी अस्पताल पहुंचकर पीडतों से मुलाकात की। कलेक्टर वर्मा ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि सभी मरीजों का समुचित एवं प्रभावी उपचार सुनिश्चित किया जाए। साथ ही उन्होंने महू कैंट बोर्ड को पानी की गुणवत्ता जांचने एवं क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर वर्मा ने कहा कि अस्पताल में मरीजों का उपचार लगातार जारी है और शासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

सर्वे शुरू किया जाएगा

उन्होंने बताया कि सुबह से क्षेत्र में सर्वे शुरू किया जाएगा, जिसमें जिन लोगों में किसी भी प्रकार के लक्षण पाए जाएंगे, उन्हें समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि गंभीर मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया जाएगा। फिलहाल किसी भी मरीज की स्थिति गंभीर नहीं है और भर्ती मरीजों में से कुछ को आज डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

प्रदेश में 'आदर्श' आंगनवाड़ियों से बदलेगी सूरत, झूलों से लेकर लाइब्रेरी तक जरूरी सुविधाओं से होंगी लेस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● ट्रांसफॉर्म आंगनवाड़ी मिशन के तहत मध्य प्रदेश के सभी 55 जिलों में 20-20 आंगनवाड़ियों को ''आदर्श आंगनवाड़ी'' में परिवर्तित किया जाएगा। इसकी शुरुआत भोपाल से हो चुकी है, जहां आठ आंगनवाड़ियों को आदर्श बनाया जा चुका है तथा सौ और आंगनवाड़ियों को रूपांतरित करने का प्रस्ताव है। इसी प्रकार उज्जैन में सिंहस्थ से पहले एक हजार आंगनवाड़ियों को ''आदर्श'' बनाया जाएगा। पायलट प्रोजेक्ट के रूप में एक प्रोटोटाइप पहले से ही तैयार है। यह बदलाव व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट दानदाताओं और सीएसआर फंड के वित्तीय सहयोग से किया जाएगा।

जिला प्रशासन के सहयोग से इन परियोजना का संचालन होगा। प्रदेश में वर्तमान में कुल 97,303 आंगनवाड़ियां हैं, जिनके माध्यम से सरकार महिलाओं और बच्चों को एकीकृत बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) प्रदान करती है। एक आंगनवाड़ी को ''मॉडल'' आंगनवाड़ी में बदलने में लगभग छह लाख रुपये का खर्च आता है। पायलेट प्रोजेक्ट के तहत उज्जैन में नवनिर्मित हेलीपैड के पास स्थित एक आंगनवाड़ी का कायाकल्प किया गया है, जिसका उद्घाटन 26 जनवरी को मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जाना है।

जिले की 2,127 आंगनवाड़ियों में से एक हजार आंगनवाड़ियों के कायाकल्प का काम एक अप्रैल से शुरू होगा। पहले चरण में महाकाल मंदिर से पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाली आंगनवाड़ियों का कायाकल्प किया जाएगा। अगले चरणों में क्रमशः 10 किलोमीटर, 15 किलोमीटर और 20 किलोमीटर के दायरे में आने वाली आंगनवाड़ियों का चयन किया जाएगा। राज्य सरकार के सहयोग और जन भागीदारी से प्रदेश में आंगनवाड़ियों को कायाकल्प करने के लिए ट्रांसफार्म आंगनवाड़ी मिशन चला रही संस्था नोवल सोशल फाउंडेशन के संस्थापक संजीव दुबे ने बताया कि हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अप्रैल-मई 2028 में सिंहस्थ के दौरान जब करोड़ों तीर्थयात्री उज्जैन आएं, तो उन्हें इन आंगनवाड़ियों को गोद लेने के लिए प्रेरित किया जा सके।

जरूरी सुविधाओं से लेस होंगी आंगनवाड़ियां

आदर्श आंगनवाड़ियां रंग-बिरंगी और आकर्षक होंगी, जिनमें बच्चों के स्वास्थ्य की निगरानी से लेकर उन्हें खेलने के लिए सुरक्षित स्थान और गर्म पका हुआ भोजन उपलब्ध कराने तक सभी सुविधाएं होंगी। इनमें झूलों आदि से सुसज्जित एक खेल क्षेत्र और एक पोषण वाटिका होगी, जहां सब्जियां उगाई जाएंगी। इनमें एक अभिभावक क्षेत्र भी होगा, जहां क्यूआर कोड स्कैन करके अभिभावक मातृवंदना, शक्ति और वात्सल्य जैसी विभिन्न सरकारी परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। एक स्वास्थ्य क्षेत्र में बच्चों की लंबाई और वजन मापने की सुविधा होगी। किशोरी कार्नर, खिलौनों का कॉर्नर और बच्चों के लिए एक पुस्तकालय भी आदर्श आंगनवाड़ियों का हिस्सा होंगे।

अपंजीकृत चिकित्सकों द्वारा संचालित किए जाने पर एक अस्पताल की सोनोग्राफी मशीन की गई सील

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से इंदौर में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक बड़ी कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के तहत एक निजी चिकित्सालय में अपंजीकृत चिकित्सकों द्वारा संचालित किए जाने पर एक अस्पताल की सोनोग्राफी मशीन सील की गई है। उक्त कार्रवाई कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि सीएचएल चेरिटेबल ट्रस्ट स्कीम नम्बर 114 निरंजनपुर चौराहा विजय नगर में संचालित है। इसका पीसीपीएनडीटी पंजीयन क्रमांक 769 है, जिसकी वैधता 06 दिसम्बर 2026 तक है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा टीम बनाकर सीएचएल चेरिटेबल ट्रस्ट का निरीक्षण करवाया गया।

पीएमओ तक पहुंचा मामला, कार्यवाही के दिए गए निर्देश

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज को बगैर भौतिक निरीक्षण के कैसे मिली अनुमति?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता गुणवत्ता और पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज इंदौर को नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की ओर से बगैर किसी भौतिक निरीक्षण के लेटर ऑफ परमिशन दे दी गई, जिसे विशेषज्ञ लेटर ऑफ पैरल मतलब छात्रों के भविष्य के लिए संकट पत्र करार दे रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना हैं आखिर विद्यार्थियों के भविष्य और शिक्षकों के अधिकारों से किसने समझौता किया है। क्या देश में मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए अब जमीनी हकीकत देखने की जरुरत नहीं रह गई। क्या कागज, वीडियो कॉल और मौखिक आश्वासन ही चिकित्सा शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में अनुमति का आधार बन गए हैं।

29 अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री के कॉलेज के शुभारंभ की घोषणा के बाद, नियामक संस्था ने आवश्यक बुनियादी ढांचे, शिक्षकों और चिकित्सीय सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का स्थल निरीक्षण किए बिना ही अनुमति जारी कर दी। जबकि जमीनी हकीकत यह थी कि कॉलेज संचालन के लिए आवश्यक शैक्षणिक व मानव संसाधन सुविधाएं बहुत ही अपर्याप्त थीं। इसका असर यह हुआ कि कई ऐसे छात्र ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, इंदौर में प्रवेश ले बैठे, जिन्हें पहले से ही प्रदेश के स्थापित सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश मिल चुका था। अब वे छात्र स्वयं को असमंजस और शैक्षणिक अनिश्चितता की स्थिति में पा रहे हैं। इस विषय में ईएसआईसी से हाल ही में सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. मनोहर भण्डारी ने विद्यार्थियों और चिकित्सा शिक्षकों के हित में पीएमओ, केन्द्रीय श्रम मंत्री, नेशनल मेडिकल कमीशन और महानिदेशक, ईएसआईसी को तत्काल संज्ञान लेने के लिए शिकायत की, जिस पर पीएमओ ने गंभीरता से लेते हुए डॉ. भण्डारी की शिकायत को पंजीबद्ध किया और स्वास्थ्य व परिवार कल्याण विभाग की निदेशक पूनम मीणा को इस विषय में त्वरित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है।

क्या यही है एनएमसी की गुणवत्ता मानक-मानव शरीर की संरचना का शिक्षण खासकर एनाटॉमी पूरे विश्व में मानव शवों का प्रत्यक्ष चीर-फाड़ व व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से किया जाता है। बिना कैडेवर, बिना लैब, बिना फैकल्टी-फिर भी एमबीबीएस की अनुमति, क्या यही है एनएमसी का गुणवत्ता मानक उक्त संस्थान में कैडेवर, डिसेक्शन हॉल व आवश्यक प्रयोगशालाओं का पूरी तरह अभाव है। फिजियोलॉजी जैसे मूल विषय में शिक्षक और विद्यार्थियों के लिए बहुत ही पीड़ादायक स्थिति है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब योग्य और अनुभवी शिक्षक बेहद कम वेतन पर काम करने को मजबूत हों तो न हो उच्च स्तरीय शिक्षण संभव है और न ही सुरक्षित व प्रभावी रोगी सेवा। कहीं न कहीं यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि चिकित्सा शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य दोनों के साथ समझौता है।

नियामक विफलता, भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़

विशेषज्ञों का मानना हैं कि चिकित्सा शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में केवल कागजी औपचारिकताओं, वीडियो कॉल अथवा मौखिक आश्वासनों के आधार पर अनुमति देना न केवल नियामक विफलता है, बल्कि देश के मेधावी विद्यार्थियों के भविष्य के साथ गंभीर खिलवाड़ भी है। यह स्थिति संविधान के अनुच्छेद 21-ए के अंतर्गत प्रदत्त शिक्षा के अधिकार और सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्याओं के भी प्रतिकूल है। मामले को लेकर सामाजिक व शैक्षणिक हलकों में यह मांग तेज हो गई है कि कॉलेज में तत्काल सभी आवश्यक शैक्षणिक व चिकित्सीय सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं, योग्य व अनुभवी शिक्षकों की स्थाई नियुक्ति हो और संविदात्मक शिक्षकों को भी समान कार्य समान वेतन का लाभ दिया जाए, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके। यदि इस प्रकरण में समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो यह न केवल सैकड़ों छात्रों के भविष्य को प्रभावित करेगा, बल्कि चिकित्सा शिक्षा की विश्वसनीयता और शासन की जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े करेगा।

बायपास पर बढ़ेगी रौनक, मिक्स लैंड यूज को अनुमति, बफर जोन में बन सकेगी सर्विस रोड

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर शहर में यातायात और आबादी का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है, इसलिए बायपास से सटी जमीनों का विकास तेज किया जाए, साथ ही यहां आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों को तेजी से विस्तार देने के लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग मुख्यालय भोपाल द्वारा बायपास के आसपास की जमीनों के मिक्स लैंड यूज को मंजूरी दी जा रही है। इसके बाद बायपास के आसपास जमीन मालिक मिक्स लैंड यूज के नक्शे पास करवा सकेंगे। इसका फायदा बायपास की कॉलोनियों में नए बाजार बनाने के साथ क्षेत्र में कमर्शियल एक्टिविटी बढ़ेगी।

इंदौर शहर में कॉलोनियों का विस्तार बायपास पर तेजी से हो रहा है, जिसको देखते हुए बायपास की सर्विस रोड की चौड़ाई बढ़ाने की आवश्यकता है। इस नेशनल हाईवे के निर्माण के दौरान नोटिफिकेशन में सड़क के दोनों ओर 45-45 मीटर का बफर जोन प्रस्तावित था। वर्तमान में इस जमीन पर बायपास के दोनों ओर 22.5-22.5 मीटर की सर्विस रोड बनी हुई है, लेकिन दबाव को देखते हुए बचे हुए हिस्से में भी 22.5-22.5 मीटर जमीन और ली जानी है, ताकि सर्विस रोड का निर्माण पूरा किया जा सके। भूखंड स्वामियों से बची हुई जमीन लेने के लिए पूर्व कलेक्टर मनीष सिह की पहल पर 2022 में टाउन एंड कंट्री प्लानिग भोपाल मुख्यालय को जमीन मालिकों को मिक्स लैंड यूज देने का प्रस्ताव टाउन एंड कंट्री प्लानिग इंदौर के माध्यम से भेजा गया था, जिसे भोपाल से मंजूरी मिलने के बाद टाउन एंड कंट्री प्लानिग इंदौर और नगर निगम ने नक्शों को मंजूरी देना शुरू कर दिया है। इसके बाद बचे हुए हिस्से में सर्विस रोड के लिए जमीन लेना प्रशासन के लिए आसान हो जाएगा। वहीं, जमीन मालिक यहां मॉल, स्कूल, अस्पताल, होटल, मैरिज गार्डन, शॉपिग कॉम्प्लेक्स, वाहनों के शोरूम, मल्टीप्लेक्स सहित अन्य निर्माण कर सकेंगे।

क्रिश्चियन कॉलेज की 500 करोड़ की जमीन सरकारी घोषित

कलेक्टर कोर्ट का फैसला, 3 दिन छुट्टी, अब राहत नहीं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज की 500 करोड़ की जमीन को सरकारी घोषित कर दिया गया है। इस मामले में कलेक्टर कोर्ट में तीन माह से सुनवाई चल रही थी। प्रबंधन ने हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक याचिका दाखिल की। 5 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से उनकी याचिका खारिज होने के बाद अब कलेक्टर शिवम वर्मा की कोर्ट ने औपचारिक आदेश जारी किया है।

कलेक्टर कोर्ट ने यह दिया आदेश-सभी तर्कों को सुनने के बाद यह प्रमाणित होता है कि यह भूमि महारानी भागीरथी बाई होलकर की शर्तों के साथ अनुदान पर मिशनरी को दी गई थी। वर्तमान में मिशनरी अस्तित्व में नहीं है व मौके पर महिला अस्पताल संचालित नहीं है। कॉलेज भी सीमित दायरे में फीस भुगतान पर मिशन के अतिरिक्त अन्य संस्था द्वारा संचालित किया जा रहा है। कॉलेज प्रिंसिपल अमित डेविड द्वारा पेश टीएंडसीपी से साबित होता है कि संस्था मूल उद्देश्य से भटक चुकी है। ऐसे में अनुदान पर दी गई शर्तों का उल्लंघन पाया जाता है। ऐसे में भूमि का अनुदान निरस्त किया जाता है। यह भूमि सर्वे नंबर 4071/1669/3 की रकबा 1.702 हेक्टेयर शासन हित में समाहित की जाती है। साथ ही तहसीलदार को आदेश दिया जाता है कि मौके पर शासन हित में कब्जा लेकर तीन दिन में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

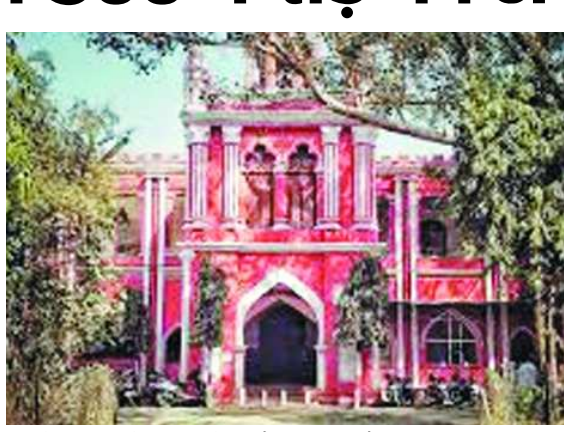

तीन दिन छुट्टी अब जमीन गई हाथ से-कलेक्टर कोर्ट से यह फैसला शुक्रवार 23 जनवरी को जारी हुआ है। अब तीन दिन तक सरकारी छुट्टी है। ऐसे में कॉलेज प्रबंधन के पास यह विकल्प नहीं बचा है कि वह तत्काल कोर्ट जाकर जमीन को कब्जे से रोकने के लिए स्टे प्राप्त कर सके। अब जब तक स्टे मिलेगा भी तो जमीन प्रशासन के पास कब्जे में होगी। ज्यादा से ज्यादा यथास्थिति का आदेश होगा। आगे कार्रवाई पर रोक मिल सकती है। लेकिन जब तक यह जमीन प्रशासन के कब्जे में हो चुकी होगी, जैसे कि भंडारी मिल के मामले में हुआ था। इसमें डॉ. कांति बम को तगड़ा झटका लगा था।

कॉलेज कई बिल्डर को बेच चुका जमीन

मामले में यह भी चौंकाने वाली बात है कि जब एक बार टीएडंसीपी ने इस जमीन पर कमर्शियल नक्शा पास कर दिया था। तब प्रबंधन ने कई बिल्डर से सौदा कर जमीन बेच दी थी। इसमें बाजार से करोड़ों रुपए उठा लिए थे। जिसके लिए कई बिल्डर भी शिकायत के लिए तैयार बैठे हैं। ऐसे में प्रिंसिपल डेविड मुश्किल में आ गए हैं, कारण है कि यह जमीन सरकारी घोषित हो चुकी है। ऐसे में सरकारी जमीन का सौदा करना सरासर चार सौ बीसी है। ऐसे में अब उन पर यह केस भी दायर हो सकते हैं।

कलेक्टर के नोटिस के खिलाफ जा चुके कोर्ट-कलेक्टर ने इंदौर क्रिश्चन कॉलेज की जमीन को सरकारी घोषित करने के लिए प्रबंधन को नोटिस दिया था। इसके साथ ही टीएंडसीपी को भी आदेश दिए थे कि इस जमीन को लेकर कोई भी नक्शा पास नहीं किया जाए।

इस नोटिस के खिलाफ कॉलेज प्रबंधन ने हाईकोर्ट ने अपील की थी। इसमें हाईकोर्ट ने नोटिस पर रोक लगाने से यह कहते हुए इंकार किया था कि अभी कलेक्टर कोर्ट में केस है और याचिकाकर्ता को वहां जवाब देने का अवसर है। इसके बाद कॉलेज सुप्रीम कोर्ट गया था। यहां भी सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर हस्तक्षेप से इंकार कर दिया। हालांकि, यह कहा है कि हाईकोर्ट में आदेश दिए गए थे। उसी परिप्रेक्ष्य में उचित प्राधिकारी द्वारा विधि के अनुसार निर्णय लिया जाएगा। अब आदेश हो गया है। निश्चित ही कॉलेज प्रबंधन इस आदेश के खिलाफ फिर हाईकोर्ट जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।